राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उताराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 01 जुलाई 2024 वर्ष-7,अंक-158 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

वेंकैया नायडू की तीन पुस्तकों का पीएम मोदी ने किया विमोचन

हैदराबाद। पीएम नरेन्द्र मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के 75वें जन्मदिन के मौके पर उनकी जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का रविवार को विमोचन किया। पुस्तकों का विमोचन पीएम मोदी ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए किया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर कहा कि वह खुश हैं कि उन्हें पुस्तकों का विमोचन करने का अवसर मिला और उन्होंने भरोसा जताया कि पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की जीवनी लोगों को प्रेरणा देगी। पीएम मोदी ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को वेंकैया नायडू से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है। पीएम मोदी ने जिन पुस्तकों का विमोचन किया, उनमें वेंकैया नायडू-लाइफ इन सर्विस, सेलेब्रेटिंग भारत-द मिशन एंड मैसेज ऑफ श्री एम. वेंकैया नायडू एज 13 वाइस प्रेजीडेंट ऑफ इंडिया और तेलुगु में चित्र वृत्तांत महानेता-लाइफ एंड जर्नी ऑफ श्री एम वेंकैया नायडू शामिल हैं। हैदराबाद में पुस्तक के विमोचन के अवसर पर वेंकैया नायडू समेत कई नेता व प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।

टी20 वर्ल्ड कप जीत कर विश्व विजेता बनने पर भारत को देश-दुनिया ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। डेथ ओवर का मैच सही में डेथ ओवर की तरह लग रहा था। भारत ने इस डेथ ओवर में साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। इस जीत के बाद देश और दुनिया से टीम इंडिया को बधाईयां आनी शुरु हो गई हैं। भारत में इजरायल के वर्तमान राजदूत ने भी इंडियन टीम को बधाई दी है। उनहोंने एक्स पर पोस्ट में लिखा ' चक दे इंडिया सटी20वर्ल्डकप2024 में शानदार जीत के लिए टीमइंडिया को बधाई। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने भी टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है। भारत की जीत पर अमेरिका ने भी बधाई दी है। मालूम हो कि टी-20 वर्ल्ड के कुछ मैच वेस्टइंडीज में तो कुछ अमेरिका में हुए थे। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने टीम इंडिया को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'वाह, शानदार जीत। देश के जाने माने बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी टीम इंडिया को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा 'नमस्ते चैट जीपीटी 4.ह कृपया मुझे भारतीय क्रिकेट टीम को सुपरहीरो के रूप में दिखाने वाली एक तस्वीर बनाकर दें क्योंकि वे अंत तक सुपरकूल थे। उन्होंने हम सभी को याद दिलाते हुए कि सुपरहीरो बनना कभी भी जीतने के दृढ़ संकल्प और कभी हार न मानने वाले रवैये के बिना नहीं आता है। जय हो! इसके साथ ही गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने अपनी पोस्ट में लिखा 'क्या खेल था, सांस लेना मुश्किल था, वो सब कुछ जो खेल को अविश्वसनीय बनाता है। बधाई इंडिया, बहुत बढ़िया, इसके हकदार! दक्षिण अफ्रीका का खेल अविश्वसनीय था। कमाल।

सरकार की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

6 साल में 300 से ज्यादा अधिकारियों ने समय से पहले लिया रिटायरमेंट

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने 2014 और 2020 के बीच समय से पहले रिटायर्ड होने वाले अधिकारियों को लेकर जानकारी दी है। राज्यसभा के साथ साझा की गई जानकारी के अनुसार, 2014 और 2020 के बीच कुल 340 अधिकारी समय से पहले रिटायर्ड हो गए। बता दें कि ग्रुप ए और बी कर्मचारियों के लिए, नियम एफआर 56 जे के तहत प्रीमैच?योर रिटायरमेंट कर्मचारी को 50 साल से पहले दिया जा सकता है। यदि वह 35 साल की उम्र से पहले सेवा में शामिल हुआ है। ग्रुप सी के कर्मचारियों के लिए, सार्वजनिक हित प्रीमैच?योर रिटायरमेंट समय से 30 साल की सेवा पूरी करने के बाद दिया जा सकता है।

30 साल के बाद रिटायरमेंट

वहीं नियम 48(1)(बी) भी सरकार को सार्वजनिक हित में 30 साल की सेवा पूरी करने के बाद किसी कर्मचारी को सेवानिवृत्त करने की अनुमति देता है। समय से पहले होने वाले रिटायरमेंट के लिए दिशानिर्देश डीओपीटी की तरफ से 2020 में जारी किए गए थे। ये संबंधित विभागों की तरफ से सरकारी कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए बनाए गए थे।

प्रीमैच्योर रिटायरमेंट के लिए जारी किए थे निर्देश

साथ ही प्रशासनिक मशीनरी को मजबूत करना और सरकारी कार्यों में मजबूती और सभी स्तरों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए ये दिशानिर्देश जारी किए गए थे। कर्मचारियों के प्रदर्शन की समय-समय पर समीक्षा करने में कुछ केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की ढिलाई की ओर इशारा करते हुए केंद्रीय और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने मंत्रालयों को निर्देश दिया है कि वे सार्वजनिक हित में समय से पहले सेवानिवृत्ति के लिए अयोग्य और उपयुक्त मामलों का पता लगाएं। साथ ही 1972 के नियम 48 के तहत समीक्षा के लिए कर्मचारियों की पहचान करें, और उनके मामलों को जल्द से जल्द समीक्षा समिति को प्रस्तुत करें।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी बोले-एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं

हम मां को कुछ दे तो नहीं सकते उसका प्यार हम सब पर कर्ज है

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 में जीत और लगातार तीसरे बार पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने पहली बार रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिये लोगों से जुड़े। इस कार्यक्रम में पीएम ने अपनी मां हीरा बा को याद करते हुए लोगों को मां की ममता से रूबरू कराते हुए उनके नाम पर एक पेड़ लगाने के नए अभियान से जुड़ने की अपील की।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि मेरे प्यारे देशवासियों आज वह दिन आ ही गया जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे। मैं 'मन की बात' के जरिए से एक बार फिर अपने परिवारजनों के बीच आया हूं। साथियों फरवरी से लेकर अब तक, जब भी, महीने का आखिरी रविवार आता है तब मुझे आपसे इस संवाद की बहुत कमी महसूस होती थी, लेकिन मुझे ये देखकर अच्छा भी लगा कि इन महीनों में आप लोगों ने मुझे लाखों संदेश भेजे।

पीएम मोदी ने इसके साथ ही कहा कि मन की बात रेडियो प्रोग्राम भले ही कुछ महीने बंद रहा हो, लेकिन मन की बात का जो स्पिरिट है देश में, समाज में, अच्छे काम, निस्वार्थ भावना से किए गए काम, समाज पर पॉजिटिव असर डालने वाले काम बराबर चलते रहे। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद भी देना चाहता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दिखाया है।

कार्यक्रम में पीएम ने कहा कि मेरे प्यारे साथियो, अगर मैं आपसे पूछूं कि दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता कौन सा होता है तो आप कहेंगे- 'मां' हम सबके जीवन में 'मां' का दर्जा बहुत ऊंचा है. मां, हर दुख सहकर भी अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। हर मां, अपने बच्चे पर प्यार लुटाती है। मां का ये प्यार हम सब पर एक कर्ज है, जिसे कोई चुका नहीं सकता. मैं सोच रहा था, हम मां को कुछ दे तो सकते नहीं, लेकिन और कुछ कर सकते हैं क्या?

पीएम मोदी ने इसके साथ ही कहा कि इसी सोच में से इस साल विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है-'एक पेड़ मां के नाम'। मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है। मैंने सभी देशवासियों से, दुनिया के सभी देशों के लोगों से ये अपील की है कि अपनी मां के साथ मिलकर, या उनके नाम पर, एक पेड़ जरूर लगाएं।' उन्होंने कहा कि हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वह कामकाजी महिलाएं हों या घरेलूज्इस अभियान ने मां के लिए अपना प्यान जताने का संदेश है। उन्होंने कहा कि 'मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी।'

कई चुनौतियों के बीच जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने संभाली भारतीय सेना की कमान

-चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर कार्य करने का है अनुभव

नई दिल्ली।(एजेंसी)

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय सेना की कमान संभाल ली है। जनरल मनोज पांडे ने रविवार को अपनी सेवानिवृत्ति के बाद जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को भारतीय सेना की कमान सौंपी। उपेंद्र द्विवेदी ने अपना पदभार भी संभाल लिया। केंद्र सरकार ने जून में उन्हें चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफके तौर पर नियुक्त किया था। इससे पहले वह फरवरी में उपसेना प्रमुख थे। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू और कश्मीर राइफल्स से संबंध रखते हैं और उन्हें चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर कार्य करने का अनुभव है। बता दें कि जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 13 लाख जवानों वाली सेना की कमान ऐसे समय संभाली है जब भारत, चीन के साथ नियंत्रण रेखा पर कई सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। उपेंद्र द्विवेदी का जन्म एक जुलाई, 1964 को हुआ था और उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री जम्मू और कश्मीर राइफल्स में पदस्थ किया गया था। करीब 40 सालों की अपनी सेवा के दौरान उन्होंने कमान, स्टाफ, अनुदेशात्मक और विदेशी नियुक्तियों की विविधता में सेवा की है। उपेन्द्र द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट (18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स), ब्रिगेड (26 सेक्टर असम राइफल्स), डीआइजी, असम राइफल्स (पूर्व) और 9 कोर की कमान शामिल हैं। सेना के उपप्रमुख बनने से पहले उन्होंने 2022 से 2024 तक महानिदेशक इन्फैंट्री और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ समेत महत्वपूर्ण नियुक्तियां पर काम किया है। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को यूएसएडब्ल्यूसी, कार्लिस्ले, यूएस में प्रतिष्ठित एनडीसी समकक्ष पाठ्यक्रम में प्रतिष्ठित फेलो से सम्मानित किया गया था और उन्हें परम विशिष्ट

सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और तीन जीओसी-इन-सी से सम्मानित किया जा चुका है। वह सैनिक स्कूल रीवा, नेशनल डिफेंस कॉलेज और यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं और उन्होंने डीएसएससी वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज, महू से पढ़ाई पूरी की है। उनके पास रक्षा और प्रबंधन अध्ययन में एम फिल और सामरिक अध्ययन और सैन्य विज्ञान की दो मास्टर डिग्री भी हैं।

अरगा नदी पर बन रहा पुल जमींदोज

गिरिडीह।(एजेंसी)

बिहार में पुलों के लगातार धराशायी होने की खबर के बीच अब झारखंड में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया है। गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड में अरगा नदी पर बन रहे पुल का पिलर धंस गया जिससे गार्डर टूटा और पुल जमींदोज हो गया। यह पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी सडक् पर कारीपहरी गांव में अरगा नदी के ऊपर बनाया जा रहा था जो मानसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। दरअसल शनिवार की शाम में हुई मूसलाधार बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ गया था। नदी की तेज बहाव में निर्माणाधीन पुल का का पिलर धंस गया जिससे गार्डर टूट कर गिर गया। वहीं एक अन्य पिलर भी टेढ़ा हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक तेज बारिश के दौरान रात करीब आठ बजे एक पाया टेढ़ा हो गया। इसके बाद तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गार्डर टूट कर नदी में गिर गया।

कांग्रेस ने सरकार से की मांग... संसद को पारित करना चाहिए कानून

50 फीसदी से अधिक हो आरक्षण की सीमा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि संसद को एक कानून पारित करना चाहिए, ताकि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक हो सके। विपक्षी पार्टी की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब एक दिन पहले जद (यू) ने बिहार में आरक्षण की सीमा को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की। जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शनिवार को बैठक हुई। जिसमें पार्टी ने उच्च न्यायालय के हालिया उस फैसले पर चिंता जताई। जिसमें बिहार सरकार के अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी कर दी गई। बैठक में एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया। जिसमें जदयू ने भाजपा के नेतृतत्व वाली केंद्र सरकार से राज्य के कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने का अनुरोध किया, ताकि उसकी न्यायिक समीक्षा की संभावना खारिज की जा सके। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी पार्टी कहती रही है कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण से जुड़े राज्य के सभी कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि जद (यू) ने कल पटना में यही मांग उठाई है। लेकिन उसकी सहयोगी भाजपा राज्य और केंद्र दोनों जगह इस मामले पर पूरी तरह चुप है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, आरक्षण कानूनों को 50 फीसदी की सीमा से परे नौवीं अनुसूची में लाना भी कोई समाधान नहीं है, क्योंकि 2007 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार ऐसे कानून न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए संविधान संशोधन कानून की जरूरत है। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में संसद के पास एकमात्र रास्ता यह है कि वह संविधान संशोधन विधेयक पारित करे, जिससे एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा हो सके।

सूखी नदी में बढ़ा पानी: हर की पौड़ी के पास गंगा में बही पर्यटकों की कारें

हरिद्वार। (एजेंसी)

यहां सूखी नदी में अचानक बाढ़ आ जाने से कई कारें बह गई। ये वो नदी हैं जिसमें कभी पानी नहीं आता। यही वजह है कि हरिद्वार आने वाले पर्यटक इसी नदी के किनारे अपने वाहन पार्क करते हैं। लेकिन बीते रोज अचानक सूखी नदी में बाढ़ आ गई और किनारे पर खड़ीं लगभग एक दर्जन कारें पानी में बह गईं। वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि कई कारें उफनती नदी में बह गईं, जबकि पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिससे उनमें पानी भर गया। उत्तर भारत में मानसून की शुरुआत से उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिसका सबसे अधिक असर हरिद्वार पर पड़ा, क्योंकि

शनिवार को सुखी नदी में उफान के कारण इसके कई इलाकों में बाढ़ आ गई। यह नदी हरिद्वार में कुछ दूरी के बाद गंगा की मुख्य धारा में मिल जाती है। हर की पौड़ी के पास गंगा पर बने पुलों पर तैरती कारों की तस्वीरें अपने मोबाइल कैमरों में कैद करने के लिए भीड़ जमा हो गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड सहित पूरे उत्तर पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है। मौसम कार्यालय ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का संकेत दिया है। प्रत्याशित परिणामों में स्थानीयकृत सड़क बाढ़, निचले इलाकों में जलजमाव और विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास को बंद करना शामिल है।

भारी बारिश के कारण दृश्यता कम होने और प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित होने से यात्रा में लंबा समय लग सकता है।

आज संसद में कई मुद्दों को लेकर विपक्ष कर सकता है हंगामा

-नीट पेपर लीक, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर हो सकती है बहस

नयी दिल्ली।(एजेंसी)

संसद की कार्यवाही के सोमवार को फिर शुरु होने पर नीट पेपर लीक, अग्निपथ योजना और महंगाई जैसे मुद्दों पर जोरदार हंगामा होने की संभावना है। विपक्ष पेपर लीक मामले के अलावा बेरोजगारी का मुद्दा भी उठा सकता है। लोकसभा में, बीजेपी के सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। बीजेपी की दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की बेटी और पहली बार लोकसभा सदस्य बनी बांसुरी स्वराज इस प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगी। लोकसभा ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 16 घंटे का समय तय किया है, जिसका समापन मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी के जवाब से होगा। राज्यसभा में चर्चा के लिए 21 घंटे का समय तय किया है और पीएम मोदी के बुधवार को जवाब देने की संभावना है। नीट मुद्दे पर संसद में इस सप्ताह काफी हंगामा हुआ था। एनटीए ने पांच मई को नीट-यूजी का आयोजन किया था, जिसमें 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। नतीजे 4 जून को घोषित किए गए, लेकिन इसके बाद बिहार समेत कई राज्यों में पेपर लीक होने के अलावा परीक्षा से जुड़ी अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे। राज्यसभा में बीजेपी सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने पीएम मोदी को ''अतुलनीय'' बताया था और कहा था कि देश के सामने आने वाले मुद्दों से निपटने के उनके दृष्टिकोण और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण में बहुत अंतर है। बीजेपी सदस्य कविता पाटीदार ने प्रस्ताव का समर्थन किया था और चर्चा में अब तक नौ अन्य सदस्य भाग ले चुके हैं। विपक्षी सदस्यों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया था, जिस पर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। नीट मुद्दे पर हंगामे के बीच छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम हाई ब्लडप्रेशर के चलते अचानक

बेहोश हो गईं, जिसके बाद उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन की कार्यवाही स्थगित न करने और राज्यसभा सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता न करने के लिए सरकार की आलोचना की थी।

संपादकीय

असुविधा का टोल टैक्स

इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। बहरहाल, यह बात सर्वविदित है, लेकिन केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान ने इस बहस को तेज किया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमें टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की कारगुजारियों पर नजर रखनी चाहिए। मंत्री को विभाग की खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है। लोगों के समय व वाहनों में पेट्रोल-डीजल में बचत हुई है। लेकिन कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी या सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। पहले राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना पड़ता था। कालांतर फास्टैग व्यवस्था से टोल कटने लगा। आज 98 फीसदी वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। पहले व्यावसायिक वाहनों से इसका प्रयोग शुरू होगा। जिसके लिये वाणिज्यिक वाहनों के लिये वाहन ट्रैकर सिस्टम यानी वीटीएस स्थापित करना जरूरी होगा। कालांतर अगले चरण में निजी वाहन भी इस टोल प्रणाली के दायरे में लाए जाएंगे। सरकार को उम्मीद है कि इस प्रणाली के लागू होने से टैक्स चोरी रुकेगी और जीएनएसएस आधारित टोल संग्रह प्रणाली से सरकार के टोल राजस्व में दस हजार करोड़ रुपये की वृद्धि होगी।

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

अब भारत को विभिन्न क्षेत्रों में अपने सूचकांक तैयार करना चाहिए

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल ही के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवत जान बूझकर गल्त दर्शाया गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अफ्रीका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए अभी हाल ही में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए। सबसे पहिले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैकिंग को 104 बताया गया है और भारत के ऊपर निजेर देश को बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रा स्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य, प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया है और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है, अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थिति इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार किए जाकर पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है।

इसी प्रकार, भारत में हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, इस भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए हैं, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है, आदि। परंतु, भारतीय मतदाताओं ने इन लोक सभा चुनावों में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। न ही, ईवीएम मशीन में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई और न ही गर्मी का प्रभाव चुनावों पर पड़ा। हालांकि सत्ताधारी दल को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ कम स्थान जरूर प्राप्त हुए हैं परंतु देश में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ सम्पन्न हो गए। साथ ही, विपक्षी दलों को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ अधिक स्थान मिले हैं और उन्होंने भी चुनाव के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। चुनाव की प्रक्रिया पर कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया है। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में वर्ष 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और वर्ष 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है। जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है, परंतु पश्चिमी देशों द्वारा भारतीय लोकतंत्र को ही जैसे खतरे में बताया जा रहा है और एक तरह से भारतीय लोकतंत्र पर ही सवाल खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़तीं हैं।

कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में यह बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, एथीयोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है। अर्थात, सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था। जबकि पूरा विश्व जानता है कि व श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है जिसके चलते इन देशों के नागरिकों के लिए दो जून की रोटी जुटाना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। जबकि, भारत कई देशों को आज खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है। फिर किस प्रकार उक्त सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। ऐसा आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में इस प्रकार के सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। युद्ध की विभीषिका झेल रहे एथीयोपिया में नागरिक अपनी भूख मिटाने के लिए घास जैसे भारी पदार्थों को खाकर अपना जीवन गुजारने को मजबूर हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच जीवन यापन करने वाले नागरिकों को भुखमरी के मामले में भारत के नागरिकों से बेहतर स्थिति में बताया गया है। वहीं दूसरी ओर भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को केंद्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि इन लोगों को खाने पीने सम्बंधी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। फिर भी भारत के नागरिकों को भुखमरी सूचकांक में ईथीयोपिया के नागरिकों की तुलना में इतना नीचे बताया गया है। अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा। यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से केवल 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया है।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का, आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं भारत के राजकोषीय घाटे को कम करने से सम्बंधित आंकड़ों एवं प्रयासों का गम्भीरता से लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। आगे आने वाले दो वर्षों के दौरान यदि उक्त तीनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग BBB- है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है।

किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है। परंतु, भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के लिए स्टैंडर्ड एंड पूअर को दो वर्षों का समय क्यों चाहिए? जब इन समस्त क्षेत्रों में लगातार सुधार होते साफ दिख रहा है।

साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई विदेशी संस्थान (विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, आदि) आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित हैं एवं आर्थिक प्रगति के साथ साथ राजकोषीय घाटे को कम करने हेतु भारत सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना करते रहते हैं। फिर भी, स्टैंडर्ड एंड पूअर को भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के लिय दो वर्षों का अतिरिक्त समय चाहिए।

वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों के विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते, अब समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं उसमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।

आज़ादी के बाद से लोकसभा अध्यक्ष का निवास

(लेखक - राकेश अचल)

एक लम्बे अरसे से न क्रिकेट का खेल देखा और न इसके बारे में लिखा। वैसे भी क्रिकेट के बारे में मेरा ज्ञान लगभग शून्य ही है । एक जमाना था जब जनसत्ता के हमारे सम्पादक स्वर्गीय प्रभाष जोशी ने मुझसे क्रिकेट के ग्वालियर में हुए अनेक अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कव्हरेज जबरन कराया था। शनिवार की रात अमेरिका में टी-20 क्रिकेट का फाइनल देख रहे मेरे बेटे ने मुझे एक बार फिर खेल देखने के लिए प्रेरित किया और युगों बाद मैंने न केवल पूरा मैच देखा बल्कि उन स्वर्णिम क्षणों का साक्षी भी बना जो हर हिंदुस्तानी के लिए गौरव के क्षण कहे जा सकते हैं।

दरअसल पिछले अनेक वर्षों से सम-सामयिक विषयों पर लिखते-लिखते मेरी खेलों से रूचि लगभग समाप्त हो गयी थी । खेलों में राजनीति ने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर थैली शाहों के बेटों को देखकर क्रिकेट के भाग्य पर तरस आता है। आप आश्चर्य करेंगे कि मै अभी तक अपने शहर में बनाये गए नए क्रिकेट स्टेडियम को देखने तक नहीं गया ,क्योंकि हमारे यहां भी क्रिकेट एक परिवार की दासी बनी हुई है। । लेकिन शनिवार की रात मुझे लगा कि हम भले ही राजनीति में विश्व गुरु न बने हों किन्तु क्रिकेट के खेल में तो आज विश्व गुरु हैं ,और इसका श्रेय किसी मोशा की जोड़ी को नहीं बल्कि उन क्रिकेटरों को जाता है जो सचमुच भारत के मान-सम्मान के लिए खेलते हैं।

फाइनल मैच की कमेंट्री पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू कपिलशर्मा शो के जज की ही तरह फुल फार्म में कर रहे थे।चूंकि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया था इसलिए मुझे भी मैच ने बाँध लिया। एक लम्बे अरसे बाद मुझे चौके और छक्के देखने का रोमांच हुआ। मैच में हालांकि रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके ,मगर उसके बार विराट कोहली और अक्षर पटेल के बीच 72 रन की साझेदारी ने टीम इंडिया की मैच में वापसी कराई । अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 रन और विराट कोहली ने 59 गेंद में 76 रन की पारी खेली. शिवम दुबे ने भी 16 गेंद में 27 रन की पारी खेलकर भारत को 176 रन तक पहुंचने में मदद क। नवजोत सिंह का अनुमान था कि भारत 180 रन का लक्ष्य पार कर लेगा लेकिन भारत ये लक्ष्य पाने से 4 कदम पीछे रह गया।

अमूमन रात को 10 बजे सो जाने वाले इस बन्दे ने पूरे साहस के साथ फाइनल मैच देखा। मेरे ख्याल से दक्षिण अफ्रीका के लिए शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडन मार्करम चार-चार रन बनाकर आउट हो गये । लेकिन क्विंटन डी कॉक और ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी करवाई बल्कि मैच के रोमांच को भी बनाये रखा । स्टब्स ने 21 गेंद में 31 रन और डी कॉक ने 31 गेंद में 39 रन की पारी खेली । हेनरिक क्लासेन तब बैटिंग के लिए क्रीज़ पर उतरे जब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 3 विकेट पर 70 रन बना लिए थे । क्लासेन ने यहां से ताबड़तोड़ बैटिंग शुरू की और उन्होंने मात्र 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 2 चौके और 5 छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा कर दिखाया। क्लासेन ने 27 गेंद में 52 रन बनाए। 15वें ओवर में क्लासेन ने अक्षर पटेल के 24 रन बटोरे जहां से मैच पूरी तरह पलटा हुआ नजर आने लगा था। भारत ने गेंदबाजी के दम पर वापसी की वो भी आखिरी 4 ओवरों में

जैसा कि आप सभी ने देखा होगा कि 16 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना लिए थे। अफ्रीका को आखिरी 4 ओवर में जीत के लिए 26 रन बनाने थे। 17वें ओवर की पहली ही गेंद पर हार्दिक पांड्या ने क्लासेन को आउट कर दिया । अगले 2 ओवरों में सिर्फ 6 रन आए। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने केवल 4 रन दिए, जिससे मैच का रुख भारत की ओर हो गया। आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या ने केवल 8 रन देकर भारत की 7 रन से जीत सुनिश्चित की।

पूरे सत्रह साल बाद मिली इस विजय से मुझे एक बार लगा कि जैसे ये एक सपना है ,लेकिन बारबाडोस से लेकर दिल्ली और ग्वालियर में जब आधी रात को जश्न शुरू हुआ तो यकीन करना ही पड़ा कि हम क्रिकेट के विश्व गुरु फिर बन गए हैं। इतना जश्न देश में एनडीए गठबंधन की सरकार के तीसरी बार सत्ता में वापस लौटने के बाद भी शायद नहीं मनाया गया था। दरअसल खेलों में खिलाडी पुरुषार्थ दिखाते हैं। खेलों में अदावत नहीं होती ,प्रतिस्पर्द्धा होती है। खेलों में कोई फैसला संसद की तरह ध्वनिमत से नहीं होता। मै भारतीय क्रिकेट टीम की इस महान उपलब्धि से गदगद हूँ। मै हमेशा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ की वो हमारे देश की सियासत को अदावत से बचाकर उसमें प्रतिस्पर्द्धा और खेल की भावना भर दे। सियासत में भी नेता अपनी पारी समाप्ति की घोषणा खुद करें । कब्र में पैर लटकने तक कुर्सी से चिपके न रहें । खेलों से सीखें कि नयी पीढ़ी के लिए पुरानी पीढ़ी कैसे रास्ता छोड़ती है ? भारतीय राजनीति को क्रिकेट के विराट कोहली चाहिए रोम के नीरो नहीं पूरी भारतीय टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई ,क्योंकि वर्षों बाद हम भारतीयों का सीना एक बार फिर 56 इंच का हुआ है।

विचार मंथन

भारत भूला पंचशील का सिद्धांत,चीन ने याद दिलाई

(लेखक- सनत जैन)

29 अप्रैल 1954 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पंचशील के सिद्धांत की स्थापना की थी। भारत,चीन और म्यांमार के बीच की सीमा विवाद सुलझाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तीनों देशों के नेताओं के साथ मिलकर पंचशील के सिद्धांत पर 1954 में सहमति बनाई थी। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता, आपसी सम्मान,आपसी गैर आक्रामकता, एक दूसरे के आंतरिक मामलों में गैर हस्तक्षेप, समानता के आधार पर पारस्परिक लाभ, शांतिपूर्ण अस्तित्व, पंचशील के सिद्धांत हैं। इसी सिद्धांत पर भारत ने अपनी विदेश नीति बनाई। पिछले 70 वर्षों में यह सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया। भारत ने 60 वर्ष तक पंचशील के सिद्धांत की नीति पर काम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका को समय समय पर सराहा गया। जब भी दुनिया के देशों के बीच मतभेद युद्ध के स्तर तक पहुंचे। उस समय भारत ने पंचशील सिद्धांत के आधार पर विश्व मंच पर अपनी भूमिका निभाई। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद में भारत की भूमिका हमेशा समन्वय की रही है। इसी नीति के कारण भारत की सारे विश्व में विशिष्ट पहचान रही है। 28 जून 2024 को पंचशील सिद्धांतों की 70वीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया था। इसमें भारत को भी आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में भारत की कोई सहभागिता नहीं रही। जबकि इसका आयोजन भारत सरकार को ही करना चाहिए था। इस आयोजन में चीन के राष्ट्रपति, श्रीलंका के राष्ट्रपति, गयाना के राष्ट्रपति और एशियाई देशों के कई राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस समारोह में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दुनिया में बढ़ रहे संघर्ष को रोकने के लिए पंचशील सिद्धांतों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा पिछले 70 सालों में बार-बार साबित हुआ है। पंचशील के सिद्धांतों से ही सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। एकता, सहयोग, आपस का संवाद और समझ दुनिया के सभी देशों के बीच में जरूरी है। दुनिया का विकास, शांति से ही संभव है। शांति ओर साझा विकास को बढ़ावा देने के लिए पंचशील के सिद्धांत ही सारी दुनिया को बेहतर दिशा दे सकते हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत को पंचशील के सिद्धांतों की याद दिलाते हुए, भारत की भूमिका याद दिलाई। पंचशील के सिद्धांत की स्थापना भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाउ एनलाई के संयुक्त प्रयास से यह सिद्धांत अस्तित्व में आया था। एशियाई देशों के विवादों को सुलझाने के लिए इस सिद्धांत पर काम किया गया। इसके सार्थक परिणाम निकले। बाद में अंतरराष्ट्रीय विवादों में पंचशील के सिद्धांतों पर आधारित भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण रही। भारत कभी भी किसी एक पक्ष के साथ नहीं रहा। निष्पक्षता के साथ भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी बात रखी। सभी देशों के बीच समन्वय बनाने मे निर्वावाद भूमिका रही। पिछले एक दशक में दुनिया की महाशक्तियों के बीच आर्थिक एवं प्राकृतिक संपदा पर कब्जा करने के लिए तरह-तरह के प्रयास किये जा रहे हैं। महाशक्तियों के बीच घातक हथियारों की होड़ लगी हुई है। जैविक और रासायनिक हथियार भी प्रयोग में लाये जाने की संभावना बन गई है। कई देश जैविक और रासायनिक युद्ध लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। आणविक और घातक हथियार तो पहले से ही हैं। दुनिया के सभी देशों के बीच में टकराव बढता जा रहा है। चीन,अमेरिका और रूस के बीच मे टकराव बना हुआ है। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बन गई है। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। इसराइल और फिलीस्तीन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। इस युद्ध में लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति के कोई प्रयास सफल नहीं हुए। पिछले 30-40 वर्षों में युद्धरत देशों में जो विकास हुआ था। वह पूरी तरह से नष्ट होता हुआ दिख रहा है। मानव जीवन बड़ा कष्ट पूर्ण हो गया है। आर्थिक आधार भी नष्ट हो चुका है। ऐसे समय में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पंचशील सिद्धांतों की अहमियत समझ में आई है। चीन की कोई विश्वासनियता नहीं है। ऐसी स्थिति में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है। जो दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए पंचशील के सिद्धांत पर, दुनिया के देशों के बीच समन्वय बनाने की दिशा में भूमिका अदा कर सकता है। पिछले 10 वर्षों से भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईटीसी ब्रिटानिया को पछाडकर दूसरी बड़ी कंपनी बनी

- बिक्री के मामले में पैकेज्ड फूड सेगमेंट में आईटीसी से आगे सिर्फ नेस्ले है

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपे नियों में से एक आईटीसी ने एक नया मुकाम प्राप्त किया है। आईटीसी अब ब्रिटानिया को पीछे छोड़कर पैकेज्ड फूड सेगमेंट की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। अब आईटीसी का मुकाबला पहले स्थान पर काबिज मल्टीनेशनल एफएमसीजी कंपनी नेस्ले से होगा। आईटीसी ने यह मुकाम बिक्री के हिसाब से हासिल किया है यानी बिक्री के मामले में पैकेज्ड फूड सेगमेंट में आईटीसी से आगे सिर्फ नेस्ले है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब पैकेज्ड फूड के मामले में आईटीसी की बिक्री ब्रिटानिया से ज्यादा हुई है। आईटीसी पैकेज्ड फूड सेगमेंट में कई उत्पाद बेचती है। आईटीसी के प्रमुख उत्पादों में आशीर्वाद आटा, बिंगो पोटैटो चिप्स, सनफीस्ट बिस्किट आदि शामिल हैं। आईटीसी की हाल ही में जारी सालाना रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में उसके फूड कारोबार की बिक्री 17,194.5 करोड़ रुपए रही है। इसमें घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों के आंकड़े शामिल हैं। दूसरी ओर पिछले वित्त वर्ष के दौरान ब्रिटानिया के फूड कारोबार की कुल बिक्री 16,769.2 करोड़ रुपए की रही है। वहीं बीते वित्त वर्ष में नेस्ले इंडिया की बिक्री का आंकड़ा 24,275.5 करोड़ रुपए का रहा है। हालांकि कंपनी के द्वारा जनवरी-दिसंबर से अप्रैल-मार्च में वित्त वर्ष शिफ्ट करने से बिक्री का यह आंकड़ा 12 महीने के बजाय 15 महीने का है। 12 महीने के हिसाब से देखें तो भी नेस्ले की भारतीय इकाई अपनी स्थानीय प्रतिस्पर्धियों से आगे है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के 12 महीनों में नेस्ले इंडिया की बिक्री 19,563 करोड़ रुपए रही है, जो दूसरे नंबर की कंपनी आईटीसी के फूड कारोबार की बिक्री की तुलना में ज्यादा है। आईटीसी को फूड कारोबार में पहली बार दूसरा पायदान दिलाने में आटे के भाव में आई तेजी सबसे प्रमुख कारण है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश में आटे की कीमतों में 7 से 8 फीसदी की तेजी आई है। कंपनी के फूड कारोबार की कुल बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान पैकेज्ड आटा ब्रांड आशीर्वाद का रहा है। ओवरऑल आईटीसी के फूड कारोबार की बिक्री में बीते वित्त वर्ष के दौरान 9 फीसदी की तेजी आई है।

मिंत्रा होम ने मसाबा गुप्ता को ब्रांड एंबेसडर बनाया

- मसाबा क्यूरेटेड बाय मसाबा कैंपेन में भी दिखाई देंगी

नई दिल्ली । फैशन डिजाइनर और अे भिनेत्री मसाबा गुप्ता को इंडियन फैशन ई-कॉमर्स कंपनी मिंत्रा ने मिंत्रा होम का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। बतौर ब्रांड एंबेसडर वह प्लेटफॉर्म को अपने क्रिएटिव विजन से आगे ले जाएंगी। ट्रेंड-फर्स्ट कस्टमर्स की उम्मीदों के मुताबिक घर का चयन करेंगी, जो उनके पर्सनालिटी को दिखाते हों। इस सहयोग के हिस्से के रूप में वह क्यूरेटेड बाय मसाबा कैंपेन में भी दिखाई देंगी, जो मिंत्रा के प्रीमियम होम सेलेक्शन को सामने लाता है। मसाबा ने कहा` कि घर वह जगह है जहां हम खुद को खुलकर एक्सप्रेस करते हैं। मिंत्रा की होम कैटेगरी के लिए ब्रांड एंबेसडर बनना घर की सजावट को सेल्फ-एक्सप्रेशन में बदलने जैसा है। मेरे लिए यह सहयोग घर बनाने के सफर को खूबसूरत एस्थेटिक के साथ जोड़ने का एक मौका है। मसाबा गुप्ता काफी क्रिएटिव हैं। उन्होंने फैशन और ब्यूटी के क्षेत्र में काफी नाम कमाया है। अब वह मिंत्रा होम के जरिए नए-नए आइडिया और क्रिएटिविटी लोगों के साथ शेयर करेंगी। मिंत्रा होम के पोर्टफोलियो में एमएंडएस होम्स, एचएंडएम होम्स, इंडिया सर्कस, माई ट्राइडेंट, अर्बन स्पेस, एलिमेंट्री, डीडेकोर और नेस्टासिया समेत प्रमुख ब्रांड्स के बढ़िया होम फर्निशिंग, ट्रेंडी आर्ट और डेकोर पीस, लैंप एंड लाइटिंग, किचन एंड डाइनिंग, बाथ और बेड लिनेन और अप्लायंसेज शामिल हैं। हाल ही में होम कैटेगरी पर अपना फोकस करने के बाद से मिंत्रा ने अपनी पेशकशों में बढ़ोतरी की है, जिसमें 1,500 से ज्यादा घरेलू और ग्लोबल ब्रांड्स की 4 लाख से ज्यादा स्टाइल की एक सूची है। पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि लोग घर पर ज्यादा समय बिता रहे हैं। ऐसे में हाइब्रिड वर्क और वर्क फ्रॉम होम में काफी बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते उपभोक्ता अपने घर के सामान और सजावट में ज्यादा निवेश कर रहे हैं। किचन, वॉल क्लॉक और सर्ववेयर जैसी कुछ सब-कैटेगरी की डिमांड में साल-दर-साल 100 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की जा रही है। मिंत्रा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा,` कि हम मसाबा गुप्ता का मिंत्रा होम के ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वागत करते हैं। घर हर किसी की लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा है और इसलिए कैटेगरी का विस्तार फैशन और लाइफस्टाइल को लोकतांत्रिक बनाने की मिंत्रा की प्रतिबद्धता में अच्छी तरह से फिट बैठता है। मसाबा के टैलेंट का बोलबाला विश्व स्तर पर है, और हम अपने ग्राहकों को प्रेरित करने के लिए उनके क्यूरेटेड कलेक्शन, थीम और लुक के जरिए एस्थेटिक की उनकी गहरी समझ को पेश करने के लिए रोमांचित हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.89 लाख करोड़ बढ़ा

- दस शीर्ष कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।
पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,89,699.42 करोड़ रुपये की बढ़त दर्ज की गई। शेयर बाजार में जोरदार तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का बाजार मूल्यांकन चढ़ गया। वहीं भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,52,264.63 करोड़ रुपये बढ़कर 21,18,951.20 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 34,733.64 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 14,12,845.09 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 30,286.99 करोड़ रुपये बढ़कर 8,44,201.88 करोड़ रुपये रही। वहीं भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 18,267.7 करोड़ रुपये बढ़कर 8,22,530.35 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 14,656.3 करोड़ रुपये बढ़कर 6,50,602.10 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का 13,808.74 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 12,80,865.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 11,111.14 करोड़ रुपये बढ़कर 7,57,565.68 करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 7,953.37 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 5,81,570.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,616.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,30,475.82 करोड़ रुपये हो गई। इस रुख के विपरीत एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 22,042.61 करोड़ रुपये घटकर 6,25,573.90 करोड़ रुपये पर आ गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

मुंबई में संपत्तियों का पंजीकरण जून में बढ़कर 11,575 इकाई हुआ

नई दिल्ली। मुंबई नगरपालिका क्षेत्र में संपत्तियों का पंजीकरण जून में सालाना आधार पर 12 फीसदी बढ़कर 11,575 इकाई हो गया है। महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल से एक रियल एस्टेट सलाहकार द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार मुंबई शहर में जून में 11,575 इकाइयों का पंजीकरण हुआ, जबकि पिछले साल इसी महीने में 10,319 इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। हालांकि जून में पंजीकरण की संख्या मई की तुलना में कम रही। मई में 12,000 संपत्तियां का पंजीकरण हुआ था। पंजीकरण का बड़ा हिस्सा आवासीय संपत्तियों का है। खरीदारों के बढ़ते भरोसे के बीच चालू` वित्त वर्ष 2024 के पहले छह माह में मुंबई में संपत्तियों के पंजीकरण का आंकड़ा 10,000 इकाई से ऊपर रहा है। संपत्ति सलाहकार ने कहा कि जून, 2024 में मुंबई में संपत्तियों के पंजीकरण का आंकड़ा पिछले 12 साल का सबसे ऊंचा स्तर है। उन्होंने कहा कि आर्थिक समृद्धि बढ़ने तथा घर खरीदने को लेकर धारणा अनुकूल होने की वजह से संपत्ति के पंजीकरण में उछाल आया है। संपत्ति बिक्री पंजीकरण में सालाना आधार पर लगातार वृद्धि मुंबई के रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाती है।

मोबाइल रिचार्ज हुआ मंहगा, कंपनियों की मौज.....ग्राहकों की जेब पर असर

नई दिल्ली । एयरटेल और रिलायंस जियो ने मोबाइल रिचार्ज महंगा किया है। इसके बाद अब वोडाफोन आइडिया ने भी जल्द ही अपने प्लान महंगे कर दिए है। इन कंपनियों ने रिचार्ज प्लान में करीब 15-20 फीसदी का इजाफा किया है। इस इजाफे से मोबाइल यूजर्स की जेब पर बोझ बढ़ गया है। दूसरी ओर टेलीकॉम कंपनियों के मुनाफे में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इंडस्ट्री जानकार के अनुसार, प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान में 15-20 फीसदी मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से इंडस्ट्री को करीब 20,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त परिचालन लाभ होगा है। इस टैरिफ हाइक के बाद एयरटेल और जियो के एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (आआरपीयू) में अच्छा खासा इजाफा होने का अनुमान है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष और कॉर्पोरेट रेटिंग के सेक्टर प्रमुख ने कहा, मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से लाभ में इजाफा होगा। इससे इंडस्ट्री को तकनीक अपग्रेडेशन और नेटवर्क विस्तार के लिए जरूरी पूंजी मिलेगी। आईसीआरए को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में टेलीकॉम इंडस्ट्री का राजस्व 12-14 प्रतिशत बढ़ेगा। ऑपरेटिंग लीवरेज को देखकर 14-16 प्रतिशत तक परिचालन लाभ में इजाफा होने का अनुमान है। टेलीकॉम इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 में 1.6-1.7 लाख करोड़ रुपए के परिचालन लाभ के साथ 3.2-3.3 लाख करोड़ रुपए का राजस्व दर्ज करने की संभावना है। वहीं मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, दूसरे टेलीकॉम प्लेयर्स भी मोबाइल टैरिफ में बढ़ोत्तरी कर सकते है। नोट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि एयरटेल और जियो के लिए मिश्रित एआरपीयू को 16-18 प्रतिशत की सीमा में लाभ होगा।

घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

- कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से घरेलू शेयर बाजारों की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि बीते सप्ताह रिकॉर्ड तेजी के बाद ऊंचे मूल्यांकन की वजह से इस हफ्ते बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी नजर रखेंगे। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह शेयर बाजार में संभावित रूप से उतार-चढ़ाव रहेगा। ऊंचा मूल्यांकन चिंता का विषय बना हुआ है। निवेशकों की नजरें अब मानसून की प्रगति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर रहेगी। जुलाई में आने वाले आम बजट पर भी सभी की नजरें है। बाजार में विकासोन्मुख नीतियों की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजार में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली है। अमेरिका के रोजगार के आंकड़े दो जुलाई को आएंगे। इसके बाद तीन जुलाई को आईएसएम सर्विसेज पीएमआई आंकड़े जारी किए जाएंगे। साथ ही दो जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन है। एफओएमसी की बैठक का ब्योरा तीन जुलाई को जारी किया जाएगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक कहते हैं कि बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा।

इस दौरान एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल विनिर्माण पीएमआई, फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन, अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े बाजार के लिए प्रमुख घटनाक्रम हैं। उनका कहना है कि हमें उम्मीद है कि बाजार की रफ्तार कायम रहेगी और शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

हालांकि, सप्ताह के दौरान आने वाले आर्थिक आंकड़ों की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। वाहन कंपनियां अपने मासिक बिक्री आंकड़े जारी करेंगी। ऐसे में उनके शेयरों पर सभी की नजरें रहेंगी।

कोका-कोला कंपनी ने भारत में किया अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद

-2022-23 में कंपनी ने की थी 12,840 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली।

कोका-कोला कंपनी भारत में अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद कर रही है। कंपनी के बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट ग्रुप (बीआईजी) का दफ्तर 30 जून को बंद करने का फैसला किया है। अमेरिका की यह कंपनी भारत समेत दुनियाभर में अपने बॉटलिंग का संचालन करती है। कंपनी ने एक नोट में कहा कि बीआईजी का कॉर्पोरेट ऑफिस 30 जून को बंद हो जाएगा।

कंपनी का यह कदम भारत को प्रभावित करेगा, क्योंकि कोका-कोला इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली बॉटलिंग कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) सीधे तौर पर बीआईजी के कंट्रोल में थी। नोट में कहा गया है कि भारत, नेपाल और श्रीलंका कोका-कोला के आंतरिक बोर्ड की निगरानी में रहेंगे। बता दें कि इस माह में कोका-कोला ने एचसीसीबी में माइनारिटी स्टेक बेचने के लिए कम से कम चार भारतीय औद्योगिक घरानों और उनके कार्यालयों से संपर्क किया था। रविवार से कोका-कोला के बॉटलिंग निवेश और ऑपरेशन का मैनेजमेंट एक आंतरिक बोर्ड के जरिए से किया जाएगा। यह बोर्ड बॉटलिंग बिजनेस के प्रदर्शन और रणनीति पर नजर रखेगा। बोर्ड की अध्यक्षता ब्राउन करेंगे। इसमें वैश्विक कार्यों का प्रबंधन करने वाले वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। नोट में कहा कि इस फैसले का मकसद निर्णय लेने की प्रक्रिया और ज्यादा सरल बनाना और बाजारों में क्षमताओं को मजबूत करना है। जनवरी में एचसीसीबी ने देश के उत्तरी, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कंपनी के स्वामित्व वाले कुछ बॉटलिंग ऑपरेशन अपने तीन मौजूदा फ्रैंचाइजी बॉटलर मून बेवरेजेज, एमएलएमजी बेवरेजेज और कंधारी ग्लोबल बेवरेजेज को बेच दिए थे। कंपनी ने कहा था कि इन बॉटलिंग ऑपरेशन को रिफ्रैंचाइज करने से उसे 293 मिलियन

डॉलर का फायदा हुआ। एचसीसीबी अब 16 अंक का संचालन कर रही है, जो मुख्य रूप से पश्चिम और दक्षिण भारत में फैले हैं। बता दें 2006 में, कोका-कोला ने बॉटलिंग ऑपरेशन को एकीकृत कर बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट्स ग्रुप का गठन किया था। उस समय कंपनी ने कहा था कि इसका मकसद यह तय करना है कि बॉटलिंग ऑपरेशन को उचित निवेश और विशेषज्ञता प्राप्त हो। 2022-23 में एचसीसीबी का रेवेन्यू 40फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 12,840 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी का नेट मुनाफा 809.32 करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल की तुलना में दोगुना ज्यादा है।

देश में ही 60 एमएम रॉकेट बनाएगा अडानी समूह थेल्स समूह के साथ समझौता

नई दिल्ली । मेक इन इड़िया को बढ़ावा देने की मोदी सरकार की पहल के तहत देश के बड़े कारोबारी समूह अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत में ही 60 एमएम रॉकेट बनाने के लिए थेल्स समूह के साथ समझौता किया है। थेल्स ने बताया कि यह भागीदारी न सिर्फ भारत के लिए उसकी प्रतिबद्धता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर हमारे पार्टनर नेटवर्क को मजबूत बनाने में भी मददगार होगी। थेल्स समूह ने लिखा, हम इस भागीदारी पर अदाणी समूह को बधाई दे रहे हैं। हम भारत में थेल्स के 70 एमएम रॉकेट के विनिर्माण में साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।थेल्स समूह ने कहा कि भारत के बढ़ते रक्षा उद्योग के लिए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के मोदी सरकार के विजन में मील का पत्थर साबित होगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस स्वदेशी रक्षा उत्पादों के डिजाइन, विकास एवं विनिर्माण की अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने इसी माह संयुक्त अरब अमीरात के एज समूह के साथ महत्वपूर्ण करार किया है जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और रक्षा क्षेत्र की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी है। इस करार के तहत विश्व स्तरीय प्लेटफॉर्म का निर्माण होना हैं, जिससे दोनों कंपनियों की रक्षा और एयरोस्पेस क्षमता में वृद्धि होगी।

गेल की ऊर्जा गंगा पाइपलाइन अगले साल मार्च तक पूरी होगी

नई दिल्ली ।

देश के पूर्वी हिस्सों में पर्यावरणानुकूल ईंधन पहुंचाने के लिए देश की प्रमुख 12,940 करोड़ रुपये की ऊर्जा गंगा गैस पाइपलाइन परियोजना मार्च, 2025 तक पूरी होने की उम्मीद है। सार्वजनिक क्षेत्र की गेल (इंडिया) लिमिटेड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 3,306 किलोमीटर लंबी जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन को जून, 2024 तक पूरा किया जाना था। लेकिन उपयोग के अधिकार (आरओयू) की उपलब्धता में देरी से इस परियोजना के पूरा होने का समय संशोधित कर जून, 2024 से मार्च, 2025 कर दिया गया है। ज्यादातर पाइपलाइन का निर्माण पहले ही हो चुका है और मार्ग के अधिकांश शहरों में गैस का प्रवाह शुरू हो गया है। परंपरागत रूप से उपलब्ध प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली पैदा करने, उर्वरक बनाने या सीएनजी और रसोई गैस के रूप में किया जाता है। अक्टूबर 2016 में उत्तर प्रदेश के जगदीशपुर से पश्चिम बंगाल के हल्दिया, झारखंड के बोकारो और ओडिशा के धामरा तक पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हुआ था। पूर्वी क्षेत्र के राज्यों तक ईंधन ले जाने के लिए लाइन को बिहार के बरौनी से असम के गुवाहाटी तक 726 किमी बढ़ाया गया था। जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) को प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा पाइपलाइन

कहा जाता है। इसके जरिये पूर्वी राज्यों बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को गैस की आपूर्ति की जानी है।

पाइपलाइन को क्रियान्वित करने वाली कंपनी गेल ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 28 जून को एक बैठक में पाइपलाइन को पूरा करने की समयसीमा को बढ़ाकर जून, 2024 से मार्च, 2025 करने की मंजूरी दे दी। गेल ने 10 मई, 2019 को कहा था कि उसने पाइपलाइन से जुड़े 10,500 करोड़ रुपये के सभी महत्वपूर्ण अनुबंध दे दिए हैं। सरकार ने जेएचबीडीपीएल के क्रियान्वयन के लिए 40 प्रतिशत का व्यवहार्यता अंतर (वीजीएफ) यानी 5,176 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं।

वहीं बरौनी-गुवाहाटी पाइपलाइन के लिए सरकार ने 60 प्रतिशत यानी 5,559 करोड़ रुपये का वीजीएफ उपलब्ध कराया है।

एफपीआई ने जून में घरेलू शेयर बाजारों में 26,565 करोड़ निवेश किए

- इससे पहले मई में एफपीआई ने शेयर बाजार से 25,586 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली । लगातार दो माह की बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून में घरेलू शेयर बाजारों में एक बार फिर लिवाल बन गए हैं। शेयर बाजारों में जोरदार तेजी की वजह से जून में एफपीआई ने 26,565 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। बाजार के जानकारों कहा` कि आगे चलकर उनका ध्यान धीरे-धीरे बजट और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की ओर स्थानांतरित होगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जून में भारतीय शेयर बाजार से 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि की चिंता के बीच अप्रैल में भी एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे थे। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भाजपा को अपने बल पर बहुमत नहीं मिलने के बावजूद राजनीतिक स्थिरता और स्थिर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की खरीदारी और आक्रामक खुदरा खरीदारी से बाजारों में तेज उछाल ने एफपीआई को लिवाल बनने के लिए मजबूर किया है। हालांकि एफपीआई की खरीदारी बाजार या व्यापक रूप से क्षेत्र आधारित होने के बजाय कुछ शेयरों तक केंद्रित रही है। उनका कहना है कि सरकार की स्थिरता का भरोसा, जीडीपी के मोर्चे पर अच्छे प्रदर्शन, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में स्थिरता और बैंकिंग क्षेत्र की सेहत मजबूत होने की वजह से एफपीआई का प्रवाह तेज बना रहेगा। आंकड़ों के अनुसार इसके अलावा एफपीआई ने जून में ऋण या बॉन्ड बाजार में 14,955 करोड़ रुपये डाले हैं। 2024 में अब तक बॉन्ड बाजार में एफपीआई का निवेश 68,624 करोड़ रुपये रहा है।

बीते वित्त वर्ष में ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या घटकर 1.09 करोड़ रही

- एक रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे

नई दिल्ली ।

बीते वित्त वर्ष में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के नए सदस्यों की कुल संख्या चार प्रतिशत घटकर 1.09 करोड़ रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ईपीएफओ की भारत में पेरोल रिपोर्टिंग- एक रोजगार परिप्रेक्ष्य-जनवरी से अप्रैल, 2024 रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे। यह संख्या 2023-24 में घटकर 1,09,93,119 रह गई है। महामारी के कारण ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की कुल संख्या में 2020-21 में गिरावट आई थी और यह 85,48,898 रही थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में ईपीएफओ से 1,10,40,683 नए सदस्य जुड़े थे। 2021-22 में ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की संख्या 1,08,65,063 रही थी। देश में कोरोना महामारी के प्रसार को रोकने के लिए केंद्र और राज्यों ने 2020 और 2021 में लॉकडाउन लगाया था, जिससे आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ रोजगार भी प्रभावित हुआ था। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 तक पिछले पांच वित्तीय वर्षों में ईएफपीओ द्वारा जोड़े गए कुल नए सदस्य 2018-19 के पूर्व-कोविड स्तर तक नहीं पहुंचे थे। अप्रैल, 2018 से मंत्रालय सितंबर, 2017 के बाद की अवधि के संगठित क्षेत्र के रोजगार संबंधी आंकड़े जारी कर रहा है। इसमें तीन प्रमुख योजनाओं कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से जुड़ने वाले सदस्यों की जानकारी ली जाती है। रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सदस्यों की सकल वृद्धि भी 2022-23 के 1,67,73,023 से घटकर 2023-24 में 1,67,60,672 रह गई है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार एनपीएस के तहत नए सदस्यों की संख्या 2022-23 के 8,24,735 से बढ़कर 2023-24 में 9,37,020 हो गई।

टाइटन ने बांग्लादेश में आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश किया

नई दिल्ली।

टाइटन कंपनी बांग्लादेश में अपना आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश कर रही है। बयान के अनुसार टाटा समूह द्वारा प्रबंधित कंपनी तनिष्क ने रिदम ग्रुप के साथ इस संबंध में एक संयुक्त उद्यम समझौता किया। इसके तहत तनिष्क को बांग्लादेश के बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार संयुक्त उद्यम की शुरुआत बांग्लादेश के नारायणगंज में विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के साथ होगी। घरेलू बाजार के अलावा टाइटन अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तनिष्क की उपस्थिति का विस्तार कर रही है और संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कतर, सिंगापुर और ओमान में 17 स्टोर संचालित करती है। इसका घड़ी कारोबार दक्षेस, एमईएनए (पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका), दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों में मौजूद है।

पिछले कुछ साल में इसने अपने प्रमुख आभूषण ब्रांड तनिष्क को विदेशों में बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित

किया है। रिदम ग्रुप बांग्लादेश की एक प्रमुख कंपनी है जिसकी स्थापना 1972 में देसी वस्त्र निर्माण के लिए की गई थी और तब से इसने कई क्षेत्रों में विस्तार किया है।

टी20 विश्वकप जीतकर मालामाल हुई टीम इंडिया, इनाम में मिली 20 करोड़ से ज्यादा की राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप चैंपियन बनी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को पुरस्कार स्वरूप 20.36 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट शुरु होने से पहले अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिकार्ड पुरस्कार राशि का बजट 93.51 करोड़ रुपए रखा था। उसी के अनुसार फाइनल में जीतने वाली भारतीय टीम को 20.36 करोड़ रूपए की राशि दी गई है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम दक्षिण अफ्रीका को 10.64 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा।

इस बार टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 20 टीमों ने भाग लिया था। सेमीफाइनल खेलकर बाहर होने वाली टीमों को 6.54 करोड़ रुपए। इनमें अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें शामिल हैं। दूसरे दौर यानी सुपर-8 को पार करने में नाकाम रहने वाली टीमों को 3.17 करोड़ रुपए तथा नौ से 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2.05 करोड़ रुपए तथा 13 से 20वें स्थान पर रहने वाली हर एक टीम को 1.87 करोड़ रुपए मिले। इसके अलावा हर एक टीम को टूर्नामेंट में जीतने वाले मैच पर अतिरिक्त 25.89 लाख रुपए दिए गए है।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। 34/3 पर सिमटने के बाद विराट (76) और अक्षर पटेल (31 गेंदों में 47, एक चौके और चार छक्कों की मदद से) के बीच 72 रनों की जवाबी साझेदारी ने खेल में भारत की स्थिति को बहाल किया। विराट और शिवम दुबे (16 गेंदों में 27, तीन चौकों और एक छक्के की मदद से) के बीच 57 रनों की साझेदारी ने भारत को अपने 20 ओवरों में 176/7 तक पहुंचाया। केशव महाराज (2/23) और एनरिक नॉर्टजे (2/26) दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष गेंदबाज थे। मार्को जेनसन और एडेन मार्करम ने एक-एक विकेट लिया।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रोटियाज का स्कोर 12/2 हो गया और फिर क्विंटन डी कॉक (31 गेंदों में 39 रन, चार चौके और एक छक्का) और ट्रिस्टन स्टब्स (21 गेंदों में 31 रन, तीन चौके और एक छक्का) के बीच 58 रनों की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को खेल में वापस ला दिया। हेनरिक क्लासेन (27 गेंदों में 52 रन, दो चौके और पांच छक्के) के अर्धशतक ने खेल को भारत से दूर ले जाने की मदद दी। हालांकि अर्शदीप सिंह (2/20), जसप्रीत बुमराह (2/18) और हार्दिक (3/20) ने डेथ ओवरों में शानदार वापसी की और दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवरों में 169/8 पर रोक दिया।

चहल, सैमसन और यशस्वी बिना खेले ही बन गये चैंपियन

बारबाडोस (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक दशक के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती है , इसके लिए टीम के सभी खिलाड़ियों ने दबाव में आये बिना ही शानदार प्रदर्शन किया। इससे टीम में बेहद खुशी का माहौल है। टीम को 13 साल के बाद खिताब मिला है। इससे पहले टीम ने 2014 में चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम सेमीफाइनल या फाइनल में हार से बाहर हो जाती थी। इस विश्वकप में युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल ऐसे खिलाड़ी रहे जिन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रुप से हुए इस विश्वकप में 8 मैच खेलकर सभी में जीत दर्ज की। इस दौरान चहल, सैमसन और यशस्वी को एक भी मैच में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। चहल टीम में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर थे। वहीं पहले नंबर पर कुलदीप यादव थे। कुलदीप ने टूर्नामेंट में शुरु से इतना प्रभावी प्रदर्शन किया कि चहल को अवसर ही नहीं मिल पाया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इसलिए अवसर नहीं मिला क्योंकि विकेकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में अपने प्रदर्शन से टीम को किसी और नाम पर विचार करने ही नहीं दिया। यह लगातार दूसरा विश्व कप है, जब युजवेंद्र चहल टीम में तो चुने गए, लेकिन अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना सके। युजवेंद्र और सैमसन को पहले ही इस बात का अंदाजा रहा होगा कि उन्हें शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिले पर यशस्वी साथ ऐसा नहीं हैं। वे टीम के विशेषज्ञ ओपनर हैं। टीम में रोहित के अलावा सिर्फ वही एक विशेषज्ञ ओपनर थे। ऐसे में यशस्वी को अंतिम ग्यारह में जगह की उम्मीद थी पर रोहित ने टीम में बदलाव नहीं किया जिससे उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हुईं। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ रिंकू सिंह और खलील अहमद भी साथ रहे। इन दोनो को रिजर्व के प्लेयर के तौर पर टीम के साथ भेजा गया था।

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 266 पर ढेर, भारत ने बनाई 337 रनों की बढ़त

चेन्नई (एजेंसी)। स्नेह राणा (आठ विकेट) के शानदार स्पैल की बदौलत भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजी के लिये मुफीद चेपॉक की सपाट पिच मेहमान दक्षिण अफ्रीका रविवार को पहली पारी में 266 रन पर ढेर कर 337 रनों की बढ़त बना ली है। सुबह दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 236 रनों के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। कल दिन खेल समाप्त होने के समय मैरिजान कप्प (69) और नडीन डी क्लर्क ने (27) ने पारी को आगे बढ़ाया। स्नेहा राणा ने शुरुआत स्पैल में मैरिजान कप्प (74) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका दिया। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीका की टीम मात्र 30 रन जोड़कर ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गई। नडीन डी क्लर्क (39), सिनालो जाफ्टा (शून्य), अनरी डकर्सन (5), मासाबाटा क्लास (1) और नोनकुलुलेको म्लाबा (2) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 266 रनों पर सिमट गई। भारत को पहली पारी में बनाए गए (छह विकेट पर 603 पारी घोषित) के स्कोर के आधार पर 337 रनों की बढ़त मिली है। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 25.3 में 77 रन पर आठ विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को 21 ओवर में 47 रन देकर दो विकेट मिले।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ बोले, कोच के तौर पर यात्रा अच्छी रही

-रोहित की सबसे ज्यादा याद आयेगी

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्व कप जीतने से उत्साहित मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनकी ये यात्रा काफी अच्छी रही। इसी के साथ ही द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मुझे सबसे ज्यादा याद आयेगी।

द्रविड़ ने विश्व कप 2024 जीतने के लिए टीम के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने

कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं रहा पर जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। मैं भाग्यशाली रहा कि मुझे ऐसी टीम का कोच बनने का अवसर मिला जिसने मुझे ट्रॉफी जीत कर दी। यह एक शानदार अहसास है हालांकि इसके लिए मैंने कोई सुधार नहीं किये। ये केवल वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद रहा है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया। द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास पर कहा कि कप्तान जिस तरह के व्यक्ति हैं, उससे मैं प्रभावित हूं। साथ ही कहा कि रोहित की प्रतिबद्धता मुझे पसंद है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें एक व्यक्ति के रूप में मिस करूंगा। जो चीज मुझे प्रभावित करती है, वह है कि वह उन्होंने मुझे जो सम्मान दिया है, टीम के लिए उनकी किस तरह की देखभाल और प्रतिबद्धता थी, उन्होंने किस तरह की ऊर्जा खर्च की और उन्होंने कभी पीछे कदम नहीं किये। मेरे लिए, रोहित वह व्यक्ति होगा जिसकी मुझे सबसे ज्यादा याद आएगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड टीम घोषित, बेयरस्टो, फोक्स और लीच बाहर

लंदन - इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से पहले अपनी टेस्ट टीम से जॉनी बेयरस्टो, बेन फोक्स और जैक लीच को बाहर कर दिया। पहले दो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम में इंग्लैंड ने तीन 'अनकैप्ड% (जिसने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को शामिल किया है जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और डिलन पेनिंगटन शामिल हैं। लीच की जगह युवा स्पिनर शोएब बशीर को टीम में शामिल किया गया है। जेम्स एंडरसन को चुना गया है लेकिन यह 41 वर्षीय तेज गेंदबाज संन्यास लेने से पहले 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में ही खेलेगा।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम - बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन (सिर्फ पहला टेस्ट), गुस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, डिलन पेनिंगटन, ओली पोप, मैट पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ और क्रिस वोक्स।

जीत के बाद रोहित ने मैदान में लगाया तिरंगा

बारबाडोस। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम के टी20 खिताब जीतने के बाद मैदान पर तिरंगा झंडा लगा दिया। भारतीय टीम को इस क्षण का पिछले 13 साल से इंतजार किया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने पहले ही कहा था कि भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में इस बार टी20 विश्वकप जीतेगी जो अब सही साबित हुआ है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जीत के बाद बारबाडोस के मैदान पर तिरंगा लगा दिया। इस दौरान रोहित के साथ तिरंगा लिए जय शाह और उपकप्तान हार्दिक पंड्या भी मौजूद थे। इससे पहले इसी साल 14 फरवरी 2024 को एक कार्यक्रम में जय शाह ने विश्वकप का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा था की हम टी20 विश्व कप में झंडा लगायेंगे। तब टी20 विश्व कप 2024 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी थी पर ये तय नहीं था कि कप्तान कौन रहेगा। इसके बाद जय शाह का एक बयान मीडिया में आया था जिसमें उन्होंने ये उम्मीद जताई थी की भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में ही टी20 विश्व कप खेलेगी। तब उन्होंने कहा थ कि भले ही टीम अहमदाबाद में एकदिवसीय विश्वकप का फाइनल नहीं जीत पायी पर वह इस बार टी20 खिताब जीतेगी। अब शाह की वही बात सफल हुई है।

सूर्यकुमार को जय शाह से मिला 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार'

ब्रिजटाउन। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सूर्यकुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्रदान किया जिन्होंने खतरनाक डेविड मिलर का शानदार कैच लपका जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण की प्रशंसा 'भेड़ियों के झुंड' से की जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिलीप ने कहा, 'हम बड़े मुकाबलों में मौके के अनुसार प्रदर्शन करने की बात करते हैं लेकिन आज हमने सिर्फ प्रदर्शन नहीं किया बल्कि जीत हासिल की।' उन्होंने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में और आज जो जज्बा, जो एकजुटता और जो लचीलापन दिखाया, वह असाधारण से कम नहीं है।' दिलीप ने कहा, 'हमने 'भेड़ियों के झुंड' की तरह क्षेत्ररक्षण किया। जैसा कि राहुल भाई और रोहित कहते रहते हैं। हर कोई अपनी भूमिका जानता था लेकिन हमने साथ मिलकर हर मौके का फायदा उठाया और कोई कसर नहीं छोड़ी।' भारत ने शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहला विश्व कप खिताब जीतने से महरूम कर दिया जिसमें अंतिम ओवर में सूर्यकुमार यादव का कैच निर्णायक रहा। सूर्यकुमार ने जिस संयम और सही समय पर लिये कैच से बेहतरीन मिसाल पेश की। जब उन्होंने डेविड मिलर का कैच लपका तब दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में महज 16 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, 'दिलीप सर, मुझे यह मौका देने और जय (शाह) सर से यह पदक लेने के लिए आपका धन्यवाद।'

तीसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए कौशल को निखारने पर पी वी सिंधू का फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शारीरिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हैं लेकिन उन्हें महसूस होता है कि ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें और अधिक 'चतुर' होने की जरूरत है। रियो और तोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू का लक्ष्य तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का है। सिंधू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ), भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है। यह आसान नहीं है, पर असंभव भी नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है, पर स्मार्ट

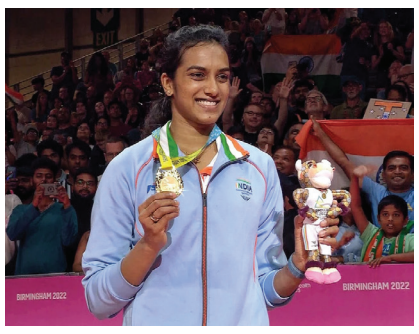

होने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' वह अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी।

सिंधू ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस (द्वी सैंटोसो) इसका ध्यान रख रहे हैं। मेरे ट्रेनर भी ध्यान रख रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में परफेक्ट होना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं। आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है। ऐसे खिलाड़ी हैं जो काफी समझदार हैं और रणनीति में बदलाव करके प्लान बी पर आ जाते हैं। आपको इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। मेरा फोकस अभ्यास करने पर है।

हार को पचा पाना मुश्किल : मारक्रम

-आने वाले टूर्नामेंटों के लिए सुधार करेंगे

ब्रिजटाउन दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान एडेन मारक्रम ने भारतीय टीम के हाथों फाइनल में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि इसे स्वीकार करना बेहद मुश्किल है क्योंकि ये बेहद करीबी मुकाबला था। साथ ही कहा कि इस हार का दुख उन्हें हमेशा रहेगा पर टीम इससे सबक लेते हुए आगे आने वाले टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम खिताबी मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम 30 गेंद में 30 रन नहीं बना पायी। अंतिम ओवरों में भारतीय टीम के गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने जबरदस्त गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने एक बेहद कठिन कैच कर मैच भारत के हाथों में ला दिया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की और ऐसे में जीत का श्रेय उसे जाता है। कप्तान ने कहा,

'अभी किसी एक चीज को हार का कारण नहीं कहा जा सकता है। हम अगले कुछ दिनों में अपनी गलतियों पर विचार करेंगे और उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हमें सुधार करना है। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है। हार के बाद भी कप्तान ने कहा कि जिस प्रकार टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी उसके लिए मुझे टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। मारक्रम ने कहा, 'यह हार दर्द देने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की इच्छा शक्ति बढ़ेगी। मारक्रम ने माना कि क्लासेन ने जिस प्रकार से मैच में खेला, उसको देखते हुए उनके लिए हार को पचा पाना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसने टीम को जीत के काफी करीब पहुंचा दिया था। साथ ही कहा, 'यह क्रिकेट टूर्नामेंट है, यह कठिन क्रिकेट है, ट्रॉफियां जीतना आसान नहीं है और आपको ट्रॉफी जीतने के लिए भारत जैसी टीम को श्रेय देना ही होग। इसमें बहुत मेहनत लगती है।

अफगान टीम के कप्तान राशिद खान की जर्नी प्रेरणादायक

-राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में रिफ्यूजी कैंप में बीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार के साथ अफगानिस्तान का सफर भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन उन्होंने पहली बार किसी विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। टीम के लिए यह एक बडी उपलब्धि है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को भी मात दी।

अफगानिस्तान को यहां तक पहुंचाने में टीम के कप्तान राशिद खान ने अहम योगदान दिया। राशिद की जर्नी काफी प्रेरणादायक रही है जिन्होंने रिफ्यूजी कैंप से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बनने तक का सफर तय किया है। राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में बीता। 2001 में अफगानिस्तान में अमेरिका और तालिबान के बीच छिड़े युद्ध ने उनके परिवार को घर छोड़ना पड़ा और पाकिस्तान बॉर्डर के पास रिफ्यूजी कैंप में रहने लगे। पेशावर की गलियों में खेलते हुए राशिद का जीवन आगे बढ़ा। मैट्रिक की पढ़ाई के बाद उन्होंने 6 महीने तक अंग्रेजी की स्पेशल ट्यूशन ली और फिर इंग्लिश ट्यूशन पढ़ाने लगे। इंग्लिश के अलावा राशिद पश्तो, दारी, उर्दू, और हिंदी भी बोल लेते हैं। राशिद पढ़ाई में बेहद होशियार थे। उनकी मां का सपना था कि राशिद बड़े होकर डॉक्टर बनें, लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान और अमेरिका के बीच बार-बार होने वाले युद्ध के कारण उन्हें कभी अफगानिस्तान तो कभी पाकिस्तान में हना पड़ा। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हुई। जब राशिद बड़े हो रहे थे तो उस समय पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का अलग ही क्रैज था। उनको देखकर राशिद ने भी वैसी ही बैटिंग और स्पिन सीखी। क्रिकेट के अभ्यास के लिए वे भाइयों के साथ घंटों खेलते और इस तरह उनका क्रिकेटर बनने का सफर शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने यूट्यूब से भी सीखा। वह पसंदीदा स्पिनर्स की तकनीक वीडियो देखकर सीखते थे। कई पाकिस्तानी और अफगान प्रशंसक उन्हें अफगान अफरीदी भी कहते हैं। 2015 में मात्र 17 साल की उम्र में राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया। इसके बाद 2018 में उन्होंने भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेला। 2019 में मात्र 21 साल की उम्र में उन्हें टीम के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) का कप्तान बना दिया गया। हालांकि इसी साल उन्हें हटाकर असगर अफगान को कप्तानी दे दी गई। 2024 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें एक बार फिर से टीम का कप्तान बनाया गया था। करियर की बात करें तो 21 साल की उम्र में बने अफगानिस्तान टीम के कप्तान। कुल 201 मैचों (टेस्ट, वनडे और टी20) में 269 विकेट लिए हैं। मात्र 53 मैचों में 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड।आईपीएल और बीबीएल सहित दुनियाभर की लगभग सभी बड़ी क्रिकेट लीग में हिस्सा लेना।

टीम इंडिया में 13 साल बाद आया बड़ा उछाल : सहवाग

ब्रिजटाउन। भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीतने के साथ ही पिछले एक दशक के आईसीसी खिताब के सूखे को समाप्त किया। इस अवसर पर पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी भारतीय टीम इंडिया को बधाई दी है। सहवाग ने शेयर बाजार से तुलना करते हुए कहा कहा, कल की जीत मुझे लगता है 13 साल बाद टीम में आया एक बड़ा उछाल है। सहवाग ने कहा कि क्रिकेट में भी कुछ-कुछ शेयर बाजार की तरह ही होता है। स्टॉक लंबे समय तक एक दायरे में रहता है और फिर अचानक उस दायरे से बाहर निकल कर ऊपर चढ़ जाता है। वैसे ही भारतीय टीम सालों से एक रेंज में अच्छा प्रदर्शन कर रही थी, पर कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाती थी। कल की जीत मुझे लगता है 13 साल बाद टीम का एक बड़ा उछाल है और इसे एक निर्णायक जीत की तरह देखा जा सकता है। मेरा मानना है कि इस जीत के बाद आने वाले वर्षों में टीम लगातार आईसीसी ट्रॉफी जीतती रहेगी। टीम इंडिया को ये जीत लंबे इंतजार के बाद मिली है। साल 2007 के बाद भारत ने एक बार फिर टी20 ट्रॉफी उठाई है। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के फाइनल में अंतिम बार 2014 में पहुंची थी। तब श्रीलंका के हाथों खिताबी मुकाबले में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

रोहित-कोहली के नक्शेकदम पर रवींद्र जडेजा, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के नक्शेकदम पर चलते हुए रवींद्र जडेजा ने भी भारत की टी20 विश्व कप 2024 जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा कर दी है। भारत के इस दिग्गज ऑलराउंडर ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 रन की जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की।

जडेजा ने लिखा, 'कृतज्ञता से भरे दिल के साथ मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं। गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का एक शिखर। यादों, जयकारों और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद।' महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम में जगह बनाने के बाद से स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर ने लंबा सफर तय किया है। लेकिन हाल ही में समाप्त हुए टूर्नामेंट में वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। फरवरी 2009 में श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से उन्होंने जिन 74 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें कुल 515 रन बनाए हैं और सबसे छोटे प्रारूप में 54 विकेट लिए हैं। बल्ले से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ आया, जहां उन्होंने 29 गेंदों पर 46 रन बनाए, जो अंतर साबित हुआ क्योंकि उन्होंने खेल को 49 रनों से जीत लिया। गेंद के साथ उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 2021 टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ था, जहां उन्होंने दुबई में 3/15 के आंकड़े हासिल किए थे। जडेजा के बारे में सबसे उल्लेखनीय विशेषता उनकी फील्डिंग रही है। ऐसे समय में जब हमारे पास सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ी थे, सौराष्ट्र के ऑलराउंडर अपने करियर में कई मौकों पर लक्ष्य को हिट करने की अपनी क्षमता के साथ और भी अधिक उभरने में कामयाब रहे।

इन उपायों से जीवन में होने वाली कई परेशानी होंगी दूर

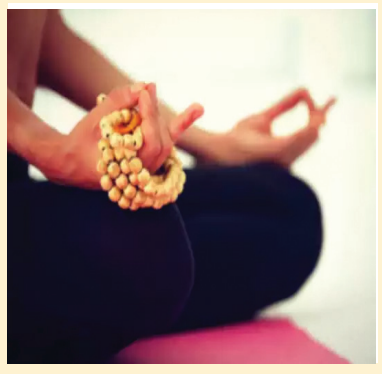

गुरु दोष के शान्ति के लिए गुरुवार को कुछ उपाय करें जिससे आपको अपने काम में सफलता जरुर मिलेगी, क्योंकि गुरुवार का दिन देवताओं के गुरु ब्रहस्पति देव का होता है। गुरु आपके वैवाहिक और भाग्य का कारक ग्रह है। वैसे भी जिंदगी में गई ऐसे परेशानी है जो आप इन उपायों से आप दूर कर सकते हैं।

अगर निरन्तर कर्ज में फंसते जा रहे हों, तो श्मशान के कुएं का जल लाकर किसी पीपल के वृक्ष पर चढ़ाना चाहिए। यह 6 शनिवार किया जाए, तो आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त होते हैं। अगर किसी पर कर्ज ज्यादा हो गया हो तो करें ये उपाय मंगलवार को शिव मन्दिर में जा कर शिवलिंग पर मसूर की दाल ऊं ऋण मुक्तेश्वर महादेवाय नमः मंत्र बोलते हुए चढ़ाएं ।यह प्रयोग हर मंगलवार को करें।

प्रत्येक प्रकार के संकट निवारण के लिये भगवान गणेश की मूर्ति पर कम से कम 21 दिन तक थोड़ी-थोड़ी जावित्री चढ़ावे और रात को सोते समय थोड़ी जावित्री खाकर सोवे। यह प्रयोग 21, 42, 64 या 84 दिनों तक करें।

किसी शुभ कार्य के जाने से पहलेदूरविवार को पान का पत्ता साथ रखकर जायें। सोमवार को दर्पण में अपना चेहरा देखकर जायें। मंगलवार को मिष्ठान खाकर जायें। बुधवार को हरे धनिये के पत्ते खाकर जायें। गुरूवार को पीली सरसों के कुछ दाने जेब में डालकर जायें। शुक्रवार को दही खाकर जायें। शनिवार को अदरक और घी खाकर जाना चाहिये।

घर में समृद्धि लाने हेतु घर के उत्तरपश्चिम के कोण (वायव्य कोण) में सुन्दर से मिट्टी के बर्तन में कुछ सिक्के, लाल कपड़े में बांध कर रखें। फिर बर्तन को गेहूं या चावल से भर दें। ऐसा करने से घर में धन का अभाव नहीं रहेगा।

एक मिट्टी की हंडिया में सवा किलो हरी साबुत मूंग, दूसरी में सवा किलो डलिया वाला नमक भर दें। यह दोनों हंडिया घर में कहीं रख दें। यह क्रिया बुधवार को करें। घर में धन आना शुरू हो जाएगा।

अकस्मात् धन लाभ के लिये शुक्ल पक्ष के प्रथम बुधवार को सफेद कपड़े के झंडे को पीपल के वृक्ष पर लगाना चाहिए। यदि व्यवसाय में आकस्मिक व्यवधान एवं पतन की सम्भावना प्रबल हो रही हो, तो यह प्रयोग बहुत लाभदायक है।

यदि आपके कोई कम नहीं बन रहे हैं तो आप करे यह उपाय दृ किसी भी शुक्लपक्ष के सोमवार से आरम्भ करें।

एक लकड़ी के पते पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 5, 7, 11 या 101 जो भी सम्भव हो बिल्व पत्र रखकर उनके अग्र भाग पर सफेद चन्दन से बिंदी लगाकर अपनी मनोकामना बोलते हुए शिव जी पर चढ़ाते जाएं.

यदि आप बेरोजगार हैं तो करें यह उपाय शनिवार के दिन नास्ते मैं बनने वाली आखरी रोटी में दोनों तरफ बीच वाली अंगुली से बीचों बीच सरसों तेल लगाकर अपने सर से सात बार सीधे उतार कर कुत्ते को खिलाएं यह प्रयोग सात शनिवार तक करें अवस्य ही आपको रोजगार प्राप्त हो जायेगा।

सुखद यात्रा के लिए दृ जब भी आप किसी भी कार्य से घर से निकलें तो सदा ही दायां पैर बहार रखें और रामायण कि यह चैपाई अवस्य बोलें चैपाई प्रविश नगर कीजै सब कजा, ह्रदय राख कौशलपुर राजा।

धन की बरकत के लिए चांदी की बैठी हुई लक्ष्मी जी की मूर्ती का कच्चे दूध में शक्कर घोलकर माता लक्ष्मी जी का अभिषेक करें अभिषेक करते समय ऊं ह्रीं श्रीं क्लीम महालक्ष्मी मम ग्रहे आगच्छ आगच्छ ह्रीं नमः मन्त्र का जाप करते जायें पुनः शुद्ध जल से स्नान कराके यथा शक्ति पूजा करना चाहिए यह प्रयोग शुक्रवार से आरम्भ कर नियमित करें इस प्रयोग से धन रुकना चालू हो जायेगा।

क्यों रखा जाता है योगिनी एकादशी का व्रत

योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है।

पूरे साल में 24 एकादशी और अधिकमास होने पर 26 एकादशी व्रत रखे जाते हैं। एकादशी व्रत और आषाढ़ का महीना दोनों भगवान विष्णु को अतिप्रिय है। इसीलिए आषाढ़ माह की एकादशी का विशेष महत्व हो जाता है। योगिनी एकादशी व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में रखा जाता है। इस दिन व्रत और भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और समृद्धि आती है। योगिनी एकदशी निर्जला एकदशी के बाद और देवशयनी एकदशी से पहले की जाती है। तो आइए जानते हैं कि इस साल योगिनी एकादशी का व्रत किस दिन रखा जाएगा और पूजा और पारण का शुभ समय कब होगा।

व्रत तिथि, शुभ समय और पारण समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 1 जुलाई को प्रातः 10.26 बजे से आरंभ हो रही है और एकादशी तिथि 2 जुलाई को सुबह 8 बजकर 34 मिनट पर समाप्त हो रही है। उदयातिथि के अनुसार योगिनी एकादशी व्रत 2 जुलाई 2024 को रखा जाएगा। वहीं, योगिनी एकादशी व्रत का पारण 3 जुलाई को सुबह 5.28 बजे से सुबह 7.10 बजे तक किया जाएगा। द्वादशी तिथि 3 जुलाई को सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर समाप्त होगी।

2 शुभ योग में रखा जाएगा योगिनी एकादशी व्रत

योगिनी एकादशी का व्रत 2 शुभ योग में पड़ रहा है। योगिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग 2 जुलाई को प्रातः 5.27 बजे से अगले दिन 3 जुलाई को सुबह 4.40 बजे तक रहेगा। वहीं त्रिपुष्कर योग 2 जुलाई को सुबह 8.42 से 3 जुलाई को 4.40 तक मान्य है।

ज्योतिष मान्यता के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया कोई भी कार्य सफल होता है। इसके साथ ही त्रिपुष्कर योग में पूजा-पाठ, दान, यज्ञ या कोई और शुभ कार्य करने से उसका तीन गुना फल मिलता है। त्रिपुष्कर योग में योगिनी एकादशी व्रत की पूजा करना बेहद फलदायी रहेगा।

योगिनी एकादशी की पूजा विधि

- योगिनी एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान पश्चात स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- श्री हरि विष्णु को पीला रंग प्रिय होता है, इसीलिए इस दिन पीला रंग धारण करें।
- भगवान विष्णु की पूजा करने के लिए चौकी सजाएं और विष्णु भगवान की प्रतिमा रखें।
- इसके अतिरिक्त, भगवान विष्णु पर पीले फूलों की माला अर्पित की जाती है।
- भगवान विष्णु को तिलक लगाएं।
- पूजा सामग्री में तुलसी दल, फल, मिठाइयां और फूल आदि सम्मिलित किए जाते हैं।
- इस दिन योगिनी एकादशी की कथा सुनें और अगले दिन व्रत का पारण करें।

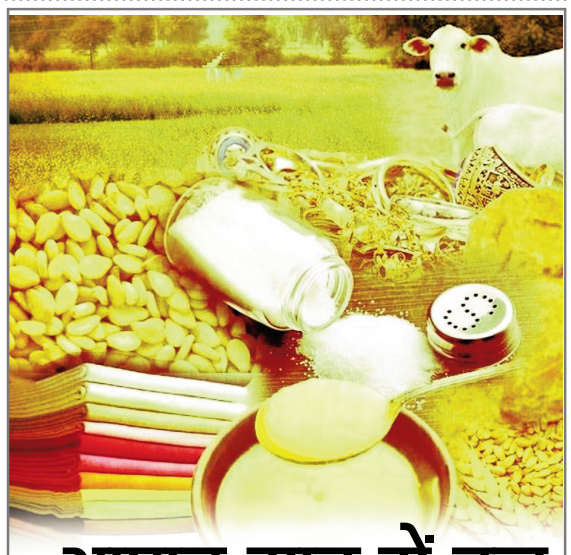

आषाढ़ माह में इन वस्तुओं का करना चाहिए दान, प्राप्त होगी भगवान विष्णु की कृपा

आषाढ़ माह भगवान विष्णु को समर्पित है। यही वह माह है, जब भगवान विष्णु चार माह के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान कोई मांगलिक कार्य नहीं होते, लेकिन दान-पुण्य करना शुभ माना गया है।

हिंदू धर्म में प्रत्येक माह का विशेष महत्व है। इसी कड़ी में आषाढ़ माह भी धार्मिक दृष्टिकोण से शुभ फलदायी माना गया है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि आषाढ़ माह में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, साथ ही आर्थिक समस्याओं से छुटकारा भी मिलता है। इसके साथ ही इस माह में दान का भी विशेष महत्व है, जिससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है। आपको यहां बताते हैं, आषाढ़ माह में किन वस्तुओं का दान करना चाहिए।

आषाढ़ माह में वस्त्र का दान करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि वस्त्रों के दान से पुण्य फल में वृद्धि होती है और दरिद्रता का नाश होता है। हालांकि वस्त्र दान करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि ये कहीं से कटे-फटे न हों। आषाढ़ मास में अन्न का दान करने से यश की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अन्न दान से व्यक्ति के घर में अन्न का भंडार भरा रहता है और पैसों की भी कमी नहीं होती। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद भी मिलता है।

काले तिल

आषाढ़ माह में काले तिल के दान से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सभी मनोकामना भी पूर्ण होती है।

समस्त पापों का नाश करती है योगिनी एकादशी

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-आराधना की जाती है. माना जाता है कि इस एकादशी का व्रत करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं. इस बार योगिनी एकादशी का व्रत 2 जुलाई, मंगलवार के दिन रखा जाएगा. इस व्रत को करने से किसी के दिये हुए श्राप का निवारण भी हो जाता है. योगिनी एकादशी का व्रत करने से सुंदर रुप, गुण और यश का वरदान मिलता है. जानते हैं कि यह एकादशी क्यों मनाई जाती है.

योगिनी एकादशी का पौराणिक महत्व

योगिनी एकादशी का व्रत तीनों लोकों में प्रसिद्ध है. माना जाता है कि इस व्रत को करने से जीवन में समृद्धि और आनन्द की प्राप्ति होती है. इस एकादशी का व्रत करने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य मिलता है. इस एकादशी का व्रत करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है. योगिनी एकादशी को सभी एकादशियों में सबसे महत्वपूर्ण एकादशियों में से एक माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस व्रत को रखने से पापों का नाश होता है और ग्रहों के दोष दूर होते हैं. इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है और संतान प्राप्ति के योग बनते हैं.

योगिनी एकादशी के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए. इसके बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें. घर में भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें और पूरे विधि-विधानपूर्वक से उनकी पूजा करें. भगवान विष्णु को फूल,फल और मीठा भोग अर्पित करें. इस दिन निर्जला व्रत रखकर भगवान विष्णु का ध्यान करना चाहिए. दूसरे दिन सुबह ब्राह्मणों को भोजन करवाकर और दक्षिणा देकर व्रत तोड़ना चाहिए.

....तो शनि कभी नहीं करेंगे आपको परेशान

शनिदेव न्याय के देवता हैं। अगर आपमें यह आदतें हैं तो मान कर चलिए कि शनिदेव आपको कभी परेशान नहीं करेंगे उल्टे आप पर उनकी कृपा दृष्टि सदैव रहने वाली है। हर संकट में वे आपके साथी बनकर राह दिखाएंगे।

नाखून काटते रहें

जो लोग रोज अपने नाखून काटते हैं और उन्हें साफ भी रखते हैं, शनि ऐसा करने वालों का हमेशा खयाल रखते हैं। इसलिए अचानक अगर आप अपने नाखून काटने में आलस करने लगें या आपके नाखून गंदे रहने लगे तो समझें कि आपको शनि दशा सुधारने के लिए उपाय करने चाहिए। नाखून काटने की आदत को कभी ना बदलें।

दान करते रहें

अगर आपका दिल गरीबों, जरूरतमंदों को देखकर पसीज जाता है और हर तीज-त्योहार पर गरीब जरूरतमंद की आप मदद करते हैं तो समझें शनिदेव की आप पर विशेष कृपा है। अगर आप गरीबों को काले चने, काले तिल, उड़द दाल और कपड़े सच्चे मन से दान करते हैं, तो आश्वस्त रहिए कि शनिदेव आपका हमेशा कल्याण ही करेंगे।

छाते की भेंट देगी शनिदेव की छत्र-छाया

धूप व बारिश से बचने के लिए छाते दान करने वालों पर शनिदेव की छत्र-छाया हमेशा बनी रहती है। अगर अब तक यह आदत नहीं थी तो इसे तुरंत अपनी अच्छी आदतों में शामिल कर लीजिए। आखिर शनिदेव की छत्र-छाया किसे नहीं चाहिए?

कुत्तों की सेवा

कुत्तों की सेवा करने वालों से भगवान शनि हमेशा प्रसन्न होते हैं। कुत्तों को खाना देने वालों और उनको कभी ना सताने वालों के शनिदेव सभी कष्ट दूर करते हैं। इसलिए अगर आप भी कुत्तों को प्यार करते हैं तो जीवन में शनि कोप से सदा बचे रहेंगे।

नेत्रहीन को राह दिखाएं

किसी भी नेत्रहीन व्यक्ति को राह दिखाना, उनकी मदद करना शनि को खुश करने में सहायक सिद्ध होता है। जो लोग भी नेत्रहीन लोगों की अनदेखी नहीं करते, उनकी निःस्वार्थ मदद करते हैं, शनिदेव उनसे हमेशा प्रसन्न रहते हैं और उनकी सफलता-उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

शनिवार का उपवास

शनिवार का उपवास रखकर अपने हिस्से का भोजन गरीबों को देने की आदत है तो समझें शनि की कृपा से अन्न के भंडार आपके लिए हमेशा खुले रहेंगे। ऐसे व्यक्ति अगर जीवन भर इस नियम का पालन करते हैं तो उन्हें कभी धन-संपदा की कमी नहीं होती।

मछलियों को आहार

जो मछली खाते नहीं है बल्कि मछलियों को खाना खिलाते हैं उनसे शनि हमेशा प्रसन्न रहते हैं। इसलिए अगर आपको भी मछलियों को दाना खिलाने की आदत है तो खुशकिस्मत हैं आप, अपनी इस आदत को छूटने ना दें।

हर दिन स्नान, साफ स्वच्छ रहने की आदत

प्रतिदिन स्नान कर खुद को साफ रखने वालों पर शनि की कृपा होती है। पवित्र रहने वालों की शनि हमेशा मदद करते हैं।

सफाई-कर्मियों की मदद

जो सफाई-कर्मियों का सम्मान करते हैं और उनकी आर्थिक मदद भी करते हैं, शनिदेव उनका साथ कभी नहीं छोड़ते। यह आदत कभी न बदलें, भाग्यशाली बनने की राह यही आदत खोलेगी। शनिदेव इस आदत से अत्यंत प्रसन्न रहते हैं।

साथी हाथ बढ़ाना

जो लोग जरूरतमंद, परेशान और मेहनतकश लोगों की यथासंभव मदद करते हैं, वे शनिदेव को बेहद पसंद होते हैं। शविदेव उनके सारे कष्ट हर लेते हैं। इसलिए मदद करने की अपनी आदत को सदा बने रहने दें।

पौधारोपण और पीपल बरगद का पूजन

पौधारोपण व पेड़ों का पूजन शनि भगवान को खुश करने के लिए बहुत जरूरी है। जो लोग पीपल और बरगद की पूजा करते हैं उनपर शनि अपनी कृपा अक्षुण्ण बनाए रखते हैं।

ईमानदारी से आजीविका

ऐसे लोग जो बिना किसी को नुकसान पहुंचाए, सही और धर्म की राह पर चलकर धन अर्जित करते हैं उन्हें शनि अपार लक्ष्मी का वर देते हैं। जो लोग ब्याजखोरी करते हैं, उनसे शनि रुष्ट हो जाते हैं। ब्याजखोरी से बचने वालों की शनि हमेशा सहायता करते हैं।

सम्मान करने की आदत

वृद्ध माता-पिता तथा स्त्रियों को मां समान मानकर उनका सम्मान करने वालों की शनिदेव हमेशा सहायता करते हैं।

दिव्यांगों की मदद

दिव्यांगों की सहायता करना शनिदेव को प्रसन्न करता है। ऐसे लोगों का शनि सदैव कल्याण करते हैं। शनि स्वयं एक पैर से शनैः शनैः चलते हैं अतः यथासंभव दिव्यांगों की मदद की आदत डालें।

शराब से दूरी

शराब का सेवन शनिदेव को नाराज करता है। जो लोग मदिरापान से दूर रहते हैं शनिदेव की कृपा उनपर बनी रहती है।

शाकाहार की आदत

जो लोग शाकाहार का सेवन करते हैं और मांस, मछली, मीट से दूर रहते हैं उनसे शनिदेव प्रसन्न होकर उनके परिवार समेत उनका भला करते हैं।

कुष्ठ रोगियों की मदद

कुष्ठ रोगियों की सेवा करना पुण्य का काम माना गया है। शनि भी ऐसे लोगों से प्रसन्न होते हैं जो कुष्ठ रोगियों की सेवा करते हैं। ऐसे लोगों को सारे कष्टों, परेशानियों से शनिदेव बचाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

बाइडेन-ट्रंप के प्रेसिडेंशियल डिबेट.....एक्स पर आ गया प्रतिक्रियों का सैलाब, एलन मस्क ने पोस्ट कर बताया

वाशिंगटन । टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टीवी पर पहले प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान एक्स पर रिकॉर्ड गतिविधि दर्ज हुई। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डिबेट पर मिनट-दर-मिनट चर्चा प्रसारण शुरू होने के बाद 90 मिनट में 19 गुना हो गई। कंपनी ने कहा कि डिबेट के दौरान एक्स पर दुनिया भर में चर्चाओं का पैमाने चौंकाने वाला था। एक्स ने बताया कि डिबेट के दौरान दो अरब से ज्यादा इम्प्रेशन दर्ज किए गए। इसमें 24.2 करोड़ वीडियो व्यूज और 20 लाख पोस्ट शामिल थे। मस्क ने कहा कि अमेरिकी प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान एक्स पर रिकॉर्ड गतिविधियां दर्ज की गईं। एक यूजर ने लिखा, डिबेट के दौरान एक्स पर बवाल मचा हुआ था। डिबेट के एक्स पर लाइव स्ट्रीम को भी काफी लोगों ने देखा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि बिना किसी सेंसरशिप के डर के लोगों को इस मुद्दे पर खुलकर बात रखने की अनुमति देने के जबरदस्त परिणाम दिखे। बहस के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि उनका प्रदर्शन अच्छा रहा और उनके प्रदर्शन से निराश कुछ डेमोक्रेट्स की चुनावी दौर से हटने की सलाह पर अमल की संभावना से मना किया। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने अच्छा (प्रदर्शन) किया। हालांकि कई डेमोक्रेट्स को चिंता सता रही है कि बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप के सामने पर्याप्त चुनौती नहीं पेश कर सकते है।

इराक की अल-नूरी मस्जिद में मिले 5 बम

मोसुल। इराक के उत्तरी शहर मोसुल की अल-नूरी मस्जिद में 5 बड़े बम बरामद हुए हैं। आतंकी संगठन आईएसआईएल ने ये बम दीवार में गाड़ रखे थे। अलजजीरा के मुताबिक, इन बमों का वजन 1.5 किलोग्राम है। इनमें से एक को दीवार से निकाल दिया गया है, जबकि बाकी बमों को हटाने की कोशिश की जा रही है। 2017 में तबाह हुई मस्जिद को दोबारा बनाने में जुटे यूनेस्को ने बताया कि बम बाद में बनाई गई एक दीवार में लगाए गए थे। इनकी जानकारी मिलते ही इराक के अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। बम हटाए जाने तक सभी लोगों को मस्जिद के परिसर से हटा दिया गया है।

धर्मगुरु को साढ़े दस साल की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में 54 साल की धर्मगुरु वू मे हो को साढ़े दस साल जेल की सजा हुई है। कोर्ट ने उन्हें अपने भक्तों के साथ धोखाधड़ी करने और उन्हें चोट पहुंचाने समेत 5 आरोपों में दोषी पाया। वू मे हो पर आरोप है कि वह अपने भक्तों का ब्रेनवॉश कर उन्हें बताती थी कि वह एक देवी है। अगर भक्त उसके आदेश का पालन नहीं करते थे तो वू मे हो उन्हें क्रूर सजा देती थी। वह भक्तों को उनका मल खिलाती थी और प्लास से दांते निकालने को कहती थी। वह भक्तों पर कैंची से वार करती थी और उन्हें इमारत की दूसरी मंजिल से कूदने को भी कहती थी।

गैसोलीन निर्यात के लिए रूस ने 31 जुलाई तक बढ़ाई परमिट की अविध

मॉस्को। रूस की पुतिन सरकार ने गैसोलीन निर्यात के लिए 31 जुलाई तक परमिट की अवधि बढ़ा दी है। यह जानकारी आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित प्रासंगिक दस्तावेज के जरिए से मिली है। दस्तावेज 29 फरवरी के सरकारी संकल्प संख्या 243 में संशोधन करता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस के ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलेव ने कहा कि घरेलू बाजार में पर्याप्त ईंधन का भंडार है और मांग आपूर्ति के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि बाजार की जरूरतों के आधार पर आगे कदम उठाए जाएंगे। यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन देशों को छोड़कर अन्य देशों में गैसोलीन के निर्यात पर प्रतिबंध एक मार्च को लगाया गया था। मई माह के अंत में रुसी सरकार ने 30 जून तक प्रतिबंध को निलंबित कर दिया था। गैसोलीन निर्यात पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध हटाने का निर्णय रूस के बाजार की संतुप्ति के संबंध में किया गया था, ताकि रिफाइनरियों द्वारा प्रसंस्करण में कर्मी और बंदरगाहों में अनलोडिंग से रोका जा सके।

अमेरिका में पुलिस अधिकारी ने 13 वर्षीय किशोर को गोली मारी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में शनिवार देर रात जारी की गयी एक वीडियो में एक पुलिस अधिकारी 13 वर्षीय किशोर को गोली मारते दिख रहा है। पुलिस ने बताया कि मैनहट्टन से करीब 400 किलोमीटर उत्तरपश्चिम में पुलिस ने एक लूटपाट की जांच के संबंध में शुक्रवार देर रात 10 बजे दो किशोरों को रोका था, जिसके बाद एक किशोर को अधिकारियों ने गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि 13 वर्ष की आयु के दोनों किशोरों का विवरण लूटपाट की एक घटना के संदिग्धों से मेल खा रहा था और वे लूटपाट वाले दिन उसी इलाके में थे। पुलिस द्वारा जारी 'बॉडी कैमरा' फुटेज में एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उसे इन दोनों किशोरों की तलाशी लेनी होगी कि कहीं उनके पास कोई हथियार तो नहीं है। इसके तुरंत बाद उनमें से एक भागने लगता है। वीडियो में न्याह वे नामक किशोर उसका पीछा कर रहे अधिकारियों पर पिस्तौल ताने देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि अधिकारियों को लगा कि यह पिस्तौल है लेकिन बाद में पता चला कि वह एक खिलौना था। इसके बाद पुलिस किशोर को जमीन पर गिरा देती है और एक अधिकारी गोली चलाता है जो उसकी छाती पर लगती है। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गयी।

लंदन में लग्जरी कारों को जंजीर से बांधकर रखते हैं लोग!

लंदन । क्या आपने कभी किसी को गाय-भैंस की तरह अपनी कार को जंजीर से बांधकर रखते देखा है? भारत में ये नजारा शायद आपको कहीं दिख भी जाए, पर इन दिनों लंदन में लोग अपनी करोड़ों की कारों को जंजीर से बांधे देखे जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लंदन में लैंड रोवर गाड़ियों के मालिक अपनी गाड़ी की सुरक्षा को लेकर काफी परेशान हैं। दरअसल, लंदन में लैंड रोवर गाड़ियों की चोरी बढ़ी है। हाल ही में एक फोटो वायरल हुई, जिसमें एक लैंड रोवर गाड़ी के मालिक ने अपनी कार को पेड़ से, जंजीर के जरिए बांध दिया। जो फोटो वायरल हो रही है जिसमें इंडस्ट्रीयल चेन को दो बार पेड़ से लपेटकर गाड़ी में बांधा गया है। एक खबर के अनुसार पिछले महीने जैगुआर लैंड रोवर ने पुलिस को भरोसा दिलाया था कि वो गाड़ियों की खोई हुई गरिमा को लौटाने के लिए और चोरी रोकने के लिए 10 करोड़ रुपयों से ज्यादा खर्च करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक लेक्सस आरएक्स नाम की कार 2023 में सबसे ज्यादा चोरी की जाने वाली कार थी। जब कंपनी के मालिकों को ऐसी रिपोर्ट्स मिलीं, जिसमें ये दावा किया जा रहा था कि ये गाड़ियां आसानी से चोरी हो सकती हैं, तब उन्होंने बयान जारी कर कहा कि कंपनी जो पैसा लगा रही है, वो सिर्फ पुलिस की मदद के लिए लगा रही है, न कि कार की सुरक्षा सिस्टम को सुधारने के लिए पैसे खर्च करना चाह रही है। कार की बिना चाबी की एंट्री सुविधा की वजह से ही चोर इसे आसानी से चुराने में सफल हुए हैं। यूके में साल 2023 में लैंड रोवर के जो 3 मॉडल सबसे ज्यादा चोरी हुए हैं, उनमें रेंज रोवर स्पोर्ट, रेंच रोवर इवोक, और लैंड रोवर डिस्कवरी स्पोर्ट शामिल है।

फिलीपींस में पटाखा गोदाम में विस्फोट से पांच की मौत, 20 घायल

मनीला। फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में एक पटाखा गोदाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय समाचार एजेंसी ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि विस्फोट में गोदाम के पास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे जाम्बोआंगा के मेयर जॉन डेलिप ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए।

जर्मनी में एएफडी पार्टी का विरोध कर रहे लोंगों ने सड़क पर अवरोधक लगा दिये। जिन्हें पुलिस ने हटाया।

युद्ध के खतरों के चलते सऊदी अरब ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने को कहा

काहिरा। लेबनान के शिया आंदोलन हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच युद्ध के खतरों को देखते हुए सऊदी अरब ने अपने नागरिकों से तुरंत लेबनान छोड़ने को कहा है। लेबनान के सऊदी दूतावास ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में वर्तमान घटनाओं पर चिंता व्यक्त करता है, हम एक बार फिर सभी सऊदी नागरिकों से लेबनान जाने पर प्रतिबंध लगाने के फैसले का पालन और वहां के नागरिकों से तुरंत लेबनान छोड़ने का आह्वान करते हैं। इजरायली सेना ने घोषणा की है कि उसने लेबनान में आक्रामक अभियान के लिए योजनाओं को मंजूरी दी है। इजरायली विदेश मंत्री ने बाद में कहा कि इजरायल हिजबुल्लाह और लेबनान के खिलाफ नियमों को बदलने के फैसले के बहुत करीब था, जिससे आंदोलन को युद्ध में खत्म करने और लेबनान पर गंभीर प्रहार करने की धमकी दी है। हिजबुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्ला ने कहा कि अगर युद्ध और तेज हुआ तो आंदोलन उत्तरी इजरायल पर आक्रमण करेगा। बता दें अक्टूबर 2023 में गाजा पट्टी में इजरायल के हमले के बाद इजरायल-लेबनानी सीमा पर स्थिति खराब है। आईडीएफ और लेबनानी हिजबुल्लाह लड़ाके सीमा से लगे इलाकों में एक-दूसरे के ठिकानों पर बमबारी कर रहे हैं। लेबनानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि करीब एक लाख लोगों को सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने घर छोड़ कर जाना पड़ा है, जबकि इजरायली विदेश मंत्रालय ने कहा कि 80,000 इजरायलियों को भी अपना घर छोड़ना पड़ा है।

ईरान ने इजरायल को दी युद्ध की धमकी तो मिला करारा जवाब

- इजराइल बोला, अगर हिजबुल्लाह गोलीबारी बंद नहीं करता तो हम उस पर सख्त कार्रवाई करेंगे

तेल अवीव(एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच का संघर्ष मिडिल ईस्ट के बाकी हिस्सों में फैल सकता है। लेबनान के हिजबुल्लाह ने हाल ही में धमकी दी थी कि वह अंतिम सांस तक इजरायल से लड़ने को तैयार है। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इजरायल हमास की तरह हिजबुल्लाह पर हमला कर सकता है। हिजबुल्लाह को ईरान से समर्थन मिलता है। इस बीच ईरान ने खुले तौर पर इजरायल को चेतावनी दी है कि अगर वह लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ जमीनी सैन्य अभियान शुरू करता है तो वह विनाशकारी युद्ध करेगा। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने एक्स पर इससे जुड़ा पोस्ट लिखा। उसने कहा कि यद्यपि ईरान लेबनान पर हमले करने के इरादे के बारे में जायोनी शासन (इजरायल) के प्रचार को मनोवैज्ञानिक युद्ध मानता है। क्या इसे पूर्ण पैमाने पर सैन्य आक्रमण शुरू करना चाहिए? इससे एक विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। सभी विकल्प खुले होंगे। सभी प्रतिरोध मोर्चे हिस्सा लेंगे। ईरान अपने ट्वीट में साफ कह रहा है कि अगर इजरायल ने लेबनान पर हमला किया तो वह युद्ध करेगा। भले ही यह युद्ध उसके प्रॉक्सी के जरिए ही क्यों न लड़ा जाए। इजरायल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार रात को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर हिजबुल्लाह अपनी गोलीबारी बंद नहीं करता और दक्षिणी लेबनान से वापस नहीं जाता तो हम उसके खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई करेंगे, तब तक जब कि सुरक्षा बहाल नहीं हो जाती और निवासी अपने घरों में वापस नहीं लौट जाते। उन्होंने आगे कहा कि जो शासन विनाश की धमकी देता है, वह अपना विनाश कराने का हकदार है। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने अमेरिका की यात्रा से लौटने के बाद शुक्रवार को उत्तरी सीमा का दौरा किया। अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। उन्होंने इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच लगभग नौ महीने की सीमा पार हिंसा के बाद उत्तर में शांति बहाल करने के लिए राजनयिक और सैन्य दोनों विकल्पों पर चर्चा की। गैलेंट ने आईडीएफ सैनिकों से कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह युद्ध करना चाहता है, तो हमें पता है कि क्या करना है। यदि वह राजनयिक व्यवस्था का विकल्प चुनेगा तो हम इस विकल्प का जवाब देंगे।

बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन से राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हटने की मांग

-दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बहस में लड़खड़ाते नजर आए बाइडन

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए अटलांटा में हुई बहस में पिछड़ने के बाद सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी दौड़ से हटने की मांग की है। जो बाइडन (81) और उनके प्रचार अभियान ने कहा कि वह हार नहीं मान रहे हैं और पांच नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए सफलतापूर्वक मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध हैं। प्रचार अभियान के नेतृत्व ने कहा कि बाइडन डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी हैं। प्रत्याशी नहीं बदला जा रहा है।

अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बाइडन की आवाज बहस के दौरान लड़खड़ाती नजर आई, जिससे डेमोक्रेट के शीर्ष नेता सोच रहे है कि क्या बाइडन राष्ट्रपति चुनाव से पहले के कठिन महीनों के दौरान शीर्ष पर रह सकते हैं।

वहीं, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप (78) ने बहस में शुरुआत से ही बाइडन को कड़ी टक्कर दी। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अटलांटा में पहली बहस के बाद से ही कई मीडिया संस्थान और बाइडन की पार्टी के समर्थक और नीति निर्माता उनसे इस दौड़ से हटने की मांग कर रहे हैं। बहस के बाद एक अखबार ने अपनी संपादकीय में लिखा कि अपने देश की सेवा करने के लिए राष्ट्रपति बाइडन को इस दौड़ से हट जाना चाहिए।

चुनाव से पहले मंदिर पहुंचे सुनक-अक्षता

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने देश में 4 जुलाई को होने वाले चुनाव से 4 दिन पहले लंदन के नेसदेन मंदिर पहुंचकर पूजा की। उन्होंने मंदिर का दौरा किया और वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। सुनक ने नेसदेन मंदिर में लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत टी 20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की जीत के साथ की। सुनक ने कहा कि आज आप क्रिकेट मैच के नतीजों से तो खुश होंगे। इस पर भीड़ ने तालियां बजाईं। सुनक ने कहा कि मैं भी आपकी तरह एक हिंदू हूं। अपने विश्वास और आस्था से ही मुझे ताकत मिलती है। जब मैं सांसद बना था तब मैंने भगवत गीता पर ही हाथ रखकर शपथ ली थी। मुझे इस बात पर गर्व है। मेरा विश्वास मुझे यह सिखाता है कि हम अपने कर्मों पर ध्यान दें और परिणाम की चिंता न करें।

इजरायल ने गाजा में फिर दागे मिसाइल, 40 की मौत, सैकड़ों घायल

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है। इजराइल हमास को खत्म करने के लिए लगातार हमले कर रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए और 224 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि कुल फिलिस्तीनी मौतों की संख्या अब 37,834 हो गई है। अक्टूबर 2023 से फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से 86,858 लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इजरायली सेना और हमास के बीच झड़पों के कारण बचाव दलों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। खास कर दक्षिणी गाजा के रफाह शहर और पूर्वी गाजा के शुजाया में जहां शरणार्थियों के शिविर हैं। इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली सेना शुजाया क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों में सेना ने झड़पों में कई को मार गिराया। रफाह में इजरायली सेना ने कई आतंकवादियों को मार गिराया और सुरंग समेत बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है।

इस बीच फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हजारों लोग आश्रय, भोजन, दवा और साफ पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, हालात और भी खराब हो गए हैं। अमेरिका ने शुक्रवार को घोषणा की कि मानवीय सहायता के लिए गाजा के तट पर लंगर डाले हुए अमेरिकी जहाज को प्रतिकूल मौसम के कारण हटा दिया गया है।

युक्रेन पर रुस के ताजा हमलों में 12 लोगों की मौत, कई इमारतें तबाह

-ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा रुस

कीव (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन के बीच जंग को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं लेकिन यह जंग खत्म होने पर नहीं आ रही है। जबकि इस जंग में रुस और यूक्रेन का काफी नुकसान हुआ है। वहीं रूस की ओर से पूर्वी यूक्रेन में किए गए हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि निप्रो शहर में रूसी हमले से ध्वस्त इमारत के मलबे से एक और व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब रूस 1,000 किलोमीटर की सीमा पर कई क्षेत्रों में यूक्रेनी सेना को पीछे धकलने की कोशिश में है।

रुस और यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और वह ऊर्जा सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने सोशल मीडिया पर कहा कि रूस-यूक्रेन सीमा पर गोरोडिशे गांव में यूक्रेनी हमले के पीड़ितों में दो बच्चे भी शामिल हैं। ये हमले उस वक्त हुए जब रूस ने 1,000 किलोमीटर के मोर्चे पर कई क्षेत्रों में अपनी सेना तैनात कर रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमलों से यूक्रेन ने अपनी करीब 80 फीसदी तापीय ऊर्जा क्षमता और एक तिहाई जलविद्युत क्षमता खो दी है। डीनिप्रो में हुए हमले पर जेलेंस्की ने कहा कि यह यूक्रेन के सहयोगियों के लिए एक चेतावनी है कि देश को ज्यादा वायु रक्षा प्रणालियों की जरुरत है। यूक्रेनी वायुसेना ने शनिवार को कहा कि उसने रातभर में 10 रूसी ड्रोन मार गिराए है।

अगर काला चश्मा पहना या दूसरे देश की फिल्म या गाना सुना तो मिलेगी मौत

- सनकी किम जोंग का फरमान, शादी में दुल्हन को सफेद गाउन पहना भी बैन

सियोल (एजेंसी)। काला चश्मा फैशन सेंस तो बताता ही है, गर्मी से भी बचाता है। लेकिन दुनिया का एक देश ऐसा भी है, जहां चाहे कितनी भी धूप हो आप काला चश्मा नहीं पहन सकते। अगर अपने काला चश्मा पहन लिया तो आपको सजा भी हो सकती है, इतना ही नहीं, यहां शादी में दुल्होन के सफेद गाउन पहनने पर बैन है। किसी दूसरे देश की फिल्म या गाना सुना तो फांसी पर भी लटकाया जा सकता है।

ये कोई और देश नहीं हां आप सही सोचे रहे हैं ये देश है उत्तहर कोरिया है जहां इस देश का शासक सनकी के साथ साथ क्रूर भी है। यहां के शासक किम जोंग उन दक्षिाण कोरिया को दुश्मन मुल्कह मानता हैं इसलिए वहां की कोई भी चीज उत्तकर कोरिया के लोग पहने या अपनाएं यह उसे पसंद नहीं। दक्षियण कोरिया में शादी के दौरान दुल्हएन सफेद गाउन पहनती हैं ये उनका कल्चकर है। यही देखकर उत्तर कोरिया की लड़कियां भी गाउन पहनने लगी थी। इस बात से किम जोंग इतना नाराज हुआ कि उसने सुरक्षाबलों को आदेश दे दिया कि अगर कोई ऐसा करता दिखे, तो उसे सजा दी जाए। दक्षिोण कोरिया की यूनिफिकेशन मिनिस्ट्रीं ने ये रिपोर्ट तैयार की हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया के सुरक्षाबल शादी के घरों में घुस जाते हैं और तलाशी लेते हैं कि कहीं कोई दक्षिण कोरिया के कल्चरर वाले कपड़े तो नहीं पहने है। लोगों को फैशनेबल कपड़े पहनने पर रोक है। दूल्हा-दुल्हैन को अपनी पीठ पर नहीं उठा सकता। ऐसा किया तो वह सजा का हकदार होगा। लोगों के फोन भी चेक किए जाते हैं। देखा जाता है कि कहीं, वे दक्षिोण कोरिया के किसी शख्स के संपर्क में तो नहीं है।

हरियाणा में भाजपा ने चला अपना दांव

अकेले ही लड़ेगी विधानसभा चुनाव

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा में भाजपा अपने दांव पर चल रही है। इसकी शुरुआत उसी वक्त हो गई थी जब राज्य में मनोहर खट्टर को सीएम पद से हटाकर उनकी जगह पर नायब सैनी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। तभी भाजपा की रणनीति पर जानकारों की नजरें टिक गई थीं। नायब सैनी को 12 मार्च को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसके बाद प्रदेश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए और विधानसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। ऐसे में नायब सैनी सरकार को काम करने के लिए बहुत कम समय मिल पाया है। इस बीच बीजेपी में चुनाव के दौरान पार्टी के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाएगी। नायब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे। अगला चुनाव नायब सैनी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि निकट भविष्य में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। चुनाव में बीजेपी का सीएम चेहरा सैनी ही होंगे। अमित शाह ने शनिवार को पंचकूला में बीजेपी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे सत्र के दौरान प्रदेश भर से आए हुए नेताओं, कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों को संबोधित किया। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने मन से संशय निकाल दीजिए कि हम किसी के साथ जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा में किसी की बैसाखियों की जरूरत नहीं है। पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएंगे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में फिर से हरियाणा की जनता का विश्वास जीतेंगे। गृह मंत्री ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में हरियाणा वासियों का अहम योगदान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में विजय की मजबूत आधारशिला रखी है।

गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से रूबरू होते हुए कहा कि हमें जीत के विश्वास के साथ भारतीय जनता पार्टी को आगे बढ़ाना है। पिछले 10 वर्षों में हमने हरियाणा के अंदर परिवर्तन लाने का काम किया है। राजनीति के मायनों को बदला है। पहले एक सरकार आई थी तो भ्रष्टाचार बढ़ता था, दूसरी सरकार आती थी तो दबंगों का राज बढ़ जाता था। हमारी सरकार ने विकास किया है। कांग्रेस पर बोला हमलाकांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है।

अब एआई टूल से चलेगा फेफड़ों से जुड़ी 16 पैटर्न की बीमारियों का पता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

फेफड़ों की बीमारी में एक्सरे प्राथमिक जांच मानी जाती है। लेकिन अब एक्सरे जांच से फेफड़ों में होने वाली 16 पैटर्न से जुड़ी बीमारियों का पता चल जाएगा। इसकी सटीक जांच कम से कम 70 फीसदी रहेगी। उससे कम होने पर मशीन खुद ही रिपोर्ट को डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह देगी। ऐसा संभव होगा एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल से, जो डिजिटल एक्स-रे मशीन में लोड किया जाएगा। इस एआई टूल को बनाया है यूपी गोरखपुर के डॉ. सात्विक वत्स और डॉ. विक्रांत शर्मा ने। इस रिसर्च में जेएनयू, नई दिल्ली और एम्स गोरखपुर के डॉक्टर भी शामिल थे। इस टूल को बनाने करने के लिए पांच देशों के डेढ़ लाख से ज्यादा मरीजों का ब्योरा एकत्रित किया गया। बीमारी होने पर मरीजों के फेफड़ों में बदलाव के फीचर एआई में डाले गए। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, यूएई, मलेशिया, इटली व स्पेन के मरीजों का आंकड़ें शामिल है। रिसर्च में मरीज के आंकड़ों को संदर्भित करने के लिए तीन रेडियोलॉजिस्टों को भी शामिल किया। इसके अलावा चेस्ट फिजिशियन व मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट भी इसमें शामिल थे। डॉ. सात्विक ने बताया कि एआई टूल को इस तरह विकसित किया गया है कि वह किसी भी बीमारी में फेफड़ों में हो रहे बदलाव के पैटर्न को पहचान लेगा। इसकी मदद से 16 प्रकार के पैटर्न को पहचानने में सफलता मिली है। यह पैटर्न अलग-अलग बीमारियों के होते हैं, जिसमें फेफड़े में होने वाली निमोनिया, एडिमा, फाइब्रोसिस, डायाफ्राम की हार्निया, कोविड, कैंसर, फेफड़ों की झिल्ली में सूजन, पानी भरना व गांठ जैसी बीमारियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस टूल का इस्तेमाल सरल है। यह डिजिटल एक्स-रे मशीन में इंस्टॉल किया जाएगा। उसके बाद एक्स-रे होते ही मशीन पैटर्न के आधार पर फेफड़ों में बदलाव को पहचान लेगी। वह अपनी रिपोर्ट में बदले हुए पैटर्न का जिक्र करेगी। इससे डॉक्टर को भी बीमारी पहचाने व इलाज करने में आसानी होगी। एआई टूल को पेटेंट कराया जा चुका है। इसको लेकर पहला रिसर्च पेपर अब पब्लिश हुआ है। यह रिसर्च पेपर अमेरिकन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। डॉ सात्विक ने बताया कि इस एआई टूल का इस्तेमाल ग्रामीण व दुर्गम क्षेत्र में स्थित अस्पतालों में हो सकता है। जिसमें मशीन फेफड़ों के बीमारी की पहचान कर लेगी। वहां मौजूद चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टाफ रिपोर्ट के आधार पर टेली कंसल्टेंसी कर सही परामर्श दे सकेंगे। इसे और विकसित किया जा सकता है। भविष्य में रेडियोलॉजिस्ट के परामर्श की जरुरत भी नहीं पड़ेगी।

आईआईटी के बेरोजगारों की संख्या 3 साल में 2 गुना बढ़ी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

आईआईटी से पढ़ाई करने के बाद भी नौकरी मिलेगी या नहीं। यह अब सुनिश्चित नहीं रहा। 2023-24 में सभी आईआईटी में पंजीयत पास आउट के 38 फ़ीसदी छात्रों को अभी तक जाब के ऑफर नहीं मिले हैं। 2021-22 मैं जिन छात्रों ने परीक्षा पास की थी। उनमें से 19 फ़ीसदी को अभी तक काम नहीं मिला है। 3 साल में जॉब नहीं मिलने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले तीन वर्षों में आईआईटी से जिन्होंने पास आउट किया है। उन्हें नौकरी नहीं मिलने से युवाओं में निराशा व्याप्त हो रही है। सूचना अधिकार कानून से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2021-22 में आईआईटी कानपुर के 2256 छात्रों ने जब के लिए पंजीयन कराया था। इनमें से 1615 छात्रों को ही जॉब मिला। 2023-24 में पंजीयन करने वाले छात्रों की संख्या 2660 थी। इसमें से मात्र 1564 छात्रों को नौकरियां मिली हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार देश की सभी आईआईटी में 2021-22 में 17887 छात्रों द्वारा पंजीयन कराया गया था। इसमें से 14485 छात्रों को जब मिली थी। 2022-23 में 19969 छात्रों ने पंजीयन कराया था। इनमें से मात्र 15804 छात्रों को प्लेसमेंट मिला। 2023-24 में 21473 छात्रों ने पंजीयन कराया था। इसमें से मात्र 13388 छात्रों को ही प्लेसमेंट मिला है। आईआईटी में प्रवेश लेने के लिए छात्र लगातार कोचिंग करते हैं। सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाते हैं। उसके बाद भी आईआईटी से पास आउट होने के बाद छात्र-छात्राओं को नौकरी नहीं मिलना, युवाओं में निराशा को बढ़ा रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कहा जा रहा है।

वैश्विक मंदी शुरू हो चुकी है। अमेरिका में ब्याज दरों और महंगाई के कारण रोजगार की स्थिति बड़ी खराब है। दूसरी सबसे बड़ी वजह एआई तकनीकी को बताया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कंपनियों में बढ़ रहा है। जिसके कारण रोजगार के अवसर घट रहे हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

जम्मू। (एजेंसी)

अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रविवार को रवाना हुआ। इससे पहले शनिवार को 13 हजार से ज्यादा यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। जम्मू के अधिकारियों ने बताया कि 6,619 यात्रियों का तीसरा जत्था रविवार सुबह 151 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि इनमें से 2,781 यात्री 3ः50 बजे 151 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए और 3,838 यात्री 168 वाहनों में सवार होकर सुबह 4ः42 बजे नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुए। दोनों काफिलों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। इस साल 52 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को समाप्त होगी। यात्री 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम-गुफा तीर्थ मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-गुफा तीर्थ मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने पर दर्शन करने के बाद उसी दिन वापस आधार शिविर लौट सकते हैं। इस साल करीब 300

किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर, दोनों यात्रा मार्गों पर, दोनों आधार शिविरों पर और गुफा मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि यात्रा सुचारू और निर्बाध हो सके। दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों और गुफा मंदिर में 124 से ज्यादा लंगर लगाए गए हैं। यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक सेवादार यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध हैं।

दिल्ली में भारी बारिश ने ली 6 की जान, कई इलाकों में जलभराव

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश से पानी में डूबने से चार बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। राजधानी पूरी तरह से ठप है। शनिवार को भी शहर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने से दिल्ली के ओखला में 60 वर्षीय व्यक्ति बाढ़ वाले अंडरपास में डूब गया। बुजुर्ग की पहचान जैतपुर निवासी दिग्विजय कुमार चौधरी के रूप में हुई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उस व्यक्ति को बाहर निकाला, जो बेहोशी की हालत में था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह घटना तब हुई जब बुजुर्ग दिग्विजय अपनी स्कूटी को बाढ़ वाले अंडरपास में ले गए।

एक अन्य घटना में शनिवार दोपहर बाहरी उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में एक अंडरपास में पानी से भरे हिस्से में दो लड़के डूब गए। यह घटना मेट्रो के पास सिरसपुर अंडरपास के पास हुई। पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की सहायता से तलाशी अभियान शुरु किया। बाद में दोनों लड़कों के शव बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि यह लड़कों के नहाते समय संदिग्ध रूप से डूबने का मामला लगता है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को भी 8 और 10 साल की उम्र के दो लड़के पूर्वोत्तर दिल्ली में बारिश के पानी से भरी खाई में डूब गए थे। यह घटना न्यू उस्मानपुर इलाके में पुस्ता नंबर-5 के पास पांच फुट गहरी खाई में हुई, जो बारिश के कारण पानी से भर गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लड़कों को बचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं उत्तर पश्चिमी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में पानी से भरे अंडरपास में करीब 20 साल का युवक डूब गया। मृतक आजादपुर मंडी में मजदूरी करता था, लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। बता दे दिल्ली में जून में 88 सालों में सबसे ज्यादा एक दिन की बारिश हुई, जिस कारण शहरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कई सड़कों पर जाम लग लगा था।

हाईकोर्ट ने पंजाबी गायक गुरदास मान को दी राहत, ट्रांसक्रिप्ट भी रिकॉर्ड में रखा

-सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का है आरोप

चंडीगढ़। (एजेंसी)

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने गायक गुरदास मान द्वारा सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दायर याचिका को रद्द करने से इनकार कर दिया है। गुरदास मान ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लाडी शाह श्री गुरु अमरदास जी के वंशज हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इन धारा के तहत किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान कर उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर किए गए और खतरनाक कामों के लिए सजा का प्रावधान है। जस्टिस संदीप मौदगिल ने कहा कि इस बात का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सबूत नहीं है कि गुरदास मान ने लाडी शाह को श्री गुरु अमरदास जी के वंशज के रूप में स्वीकार करने के लिए किसी विशेष समुदाय के किसी व्यक्ति या समूह पर दबाव डाला हो। यह पूरी तरह से व्यक्ति के विश्वास पर निर्भर करता है कि वह उस दावे को स्वीकार करता है या नहीं। कोर्ट भी संवेदनशीलता का ध्यान रखती है पर इसके साथ ही उसे चीजों को तार्किक रूप से भी देखना पड़ता है। कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की जानी चाहिए क्योंकि यह आत्म-अभिव्यक्ति के जरिए से व्यक्ति की स्वायत्तता, गरिमा और कल्याण को सक्षम बनाता है। इस तरह किसी व्यक्ति और उक्त अपराध के तहत मामला चलाने के लिए जानबूझकर अपमान इस हद तक होना चाहिए कि व्यक्ति को सार्वजनिक शांति भंग करने या कोई अन्य अपराध करने के लिए उकसाया जा सके। जज ने कहा कि निचली कोर्ट ने यह निष्कर्ष निकाला है कि गुरदास मान की वीडियो फुटेज वाली पेन ड्राइव और पंजाबी में ट्रांसक्रिप्ट को देख कर नहीं कहा जा सकता कि गुरदास मान ने जानबूझकर याचिकाकर्ता या समुदाय को कोई नुकसान पहुंचाया है या किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से ये किया है। गुरदास मान ने इस संबंध में माफी मांग ली है और उसकी माफी का ट्रांसक्रिप्ट भी रिकॉर्ड में रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है पांच में से एक लड़की की शादीः रिपोर्ट

- पिछली तिमाही सदी में लगभग 68 करोड़ बाल विवाहों को रोका गया

नई दिल्ली । संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट कहती है कि भारत में 20 करोड़ से ज़्यादा लड़कियों की शादी बचपन में ही हो गई थी। वैश्विक अनुमान के अनुसार 6.4 करोड़ लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई थी, इनमें से एक तिहाई मामले अकेले भारत में हुए हैं। सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पांच में से एक लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है, जबकि 25 वर्ष पहले यह संख्या चार में से एक थी। इस सुधार ने पिछली तिमाही सदी में लगभग 68 करोड़ बाल विवाहों को रोका है। इन प्रगतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया लैंगिक समानता के मामले में पीछे रह गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और कई महिलाओं के लिए उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के मामले में स्वायत्तता की कमी जैसे मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। मौजूदा गति से पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रबंधन पदों में समानता हासिल करने में 176 साल लगेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक जीवन स्थितियों में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 169 लक्ष्यों में से केवल 17 फीसदी ही 2030 की समयसीमा तक पूरे होने की राह पर हैं। 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए इन लक्ष्यों का उद्देश्य गरीबी को समाप्त करने से लेकर लैंगिक समानता प्राप्त करने तक कई तरह के मुद्दों को हल करना है। हालांकि, इनमें से लगभग आधे लक्ष्य न्यूनतम या मध्यम प्रगति दिखाते हैं, और एक तिहाई से अधिक रुके हुए हैं या पीछे जा रहे हैं।

नीट पेपर लीक मामले को जांच रही सीबीआई ने पटना की बेऊर जेल में की पूछताछ

पटना। नीट पेपर लीक का मामले की जांच कर रही सीबीआई ने पटना के बेऊर जेल में बंद आरोपियों से भी पूछताछ की है। रिमांड पर लिए गए आरोपियों से मिले इनपुट के बाद जेल में ही बंद आरोपियों से पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक आरोपियों के अलग-अलग बयान में काफी अंतर पाया गया है लेकिन ज्यादातर आरोपियों ने पूछताछ में संजीव मुखिया और सिकंदर यादवेंदु का नाम लिया। नीट पेपर लीक मामले पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अलावा केंद्र और राज्य सरकार इस मामले पर सख्त है, लगातार जांच चल रही है, आरोपियों की गिरफ्तारी हो रही है। सरकार ना किसी को फंसाने जा रही है और ना बचा रही है। जो भी सही होगा किया जाएगा. उन्होंने कहा कि ये भी सुनिश्चित किया जाएगा कि आगे इस तरह के मामले ना सामने आएं। केंद्रीय जांच एजेंसी पहले से ही संजीव मुखिया के दो खास गुर्गों चिंटू और मुकेश को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है. सीबीआई को आशंका है कि हजारीबाग के ओएसिस स्कूल से ही पेपर लीक हुआ और इसमें एहसान-उल-हक और इम्तियाज आलम की भूमिका थी। लीक होने के बाद नीट परीक्षा का पेपर माफिया संजीव मुखिया तक पहुंचा।

बिहार में धड़ाधड़ बह रहे पुलों पर सियासत शुरु,मांझी ने दिया नया एंगल

पटना। बिहार में एक के बाद एक पुल ढह रहे हैं। इससे जहां भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है वहीं जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं। लेकिन अब पुलों पर राजनीति शुरु हो गई है। केंद्रीय मंत्री और पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने पुल गिरने की घटनाओं पर साजिश की आशंका व्यक्त की है। बता दें कि बिहार के अलग-अलग जिलों में बीते दो हफ्तों के अंदर 5 पुल गिर चुके हैं। इनमें से अधिकांश पुल निर्माणाधीन थे। वहीं, कुछ जर्जर भी थे, जिनके पुनर्निर्माण के लिए कई प्रस्ताव भेजा गया, लेकिन उसपर कोई निर्णय नहीं हुआ। मांझी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पुल गिरने कई घटनाएं घटी हैं, लेकिन 15-20 दिन पहले तक इस तरह की घटनाएं नहीं हुआ करती थीं। यह जांच का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि आखिर लगातार पुल गिरने की घटनाएं क्यों हो रही हैं। कहीं इसके पीछे किसी की कोई साजिश तो नहीं है? पहले शायद ही एक-दो पुल गिरा करते थे, लेकिन लगातार इस तरह का घटनाएं इशारा करती हैं कि इसके पीछे कोई साजिश है। सरकार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। नीतीश सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए। पुल गिरने की घटनाओं के लिए उन्होंने ठेकेदारों को जिम्मेदार बताया और निर्माण में घटिया सामाग्री प्रयोग करने का भी आरोप लगाया। लगातार गिर रहे पुलों को लेकर तेजस्वी यादव ने भी सवाल उठाया। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में डबल इंजन सरकार की डबल ताकत से नौ दिन में केवल और केवल पांच पुल ही गिरे हैं। तंज भरे अंदाज में तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी की रहनुमाई और सीएम नीतीश की अगुवाई वाली डबल इंजनधारी एनडीए सरकार ने बिहार के लोगों को 9 दिन में पांच पुल गिरने पर मंगलराज की कल्याणमय उज्जवल शुभकामनाएं प्रेषित की है।

अब एआई टूल से चलेगा फेफड़ों से जुड़ी 16 पैटर्न की बीमारियों का पता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

फेफड़ों की बीमारी में एक्सरे प्राथमिक जांच मानी जाती है। लेकिन अब एक्सरे जांच से फेफड़ों में होने वाली 16 पैटर्न से जुड़ी बीमारियों का पता चल जाएगा। इसकी सटीक जांच कम से कम 70 फीसदी रहेगी। उससे कम होने पर मशीन खुद ही रिपोर्ट को डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह देगी। ऐसा संभव होगा एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल से, जो डिजिटल एक्स-रे मशीन में लोड किया जाएगा।

इस एआई टूल को बनाया है यूपी गोरखपुर के डॉ. सात्विक वत्स और डॉ. विक्रांत शर्मा ने। इस रिसर्च में जेएनयू, नई दिल्ली और एम्स गोरखपुर के डॉक्टर भी शामिल थे। इस टूल को बनाने करने के लिए पांच देशों के डेढ़ लाख से ज्यादा मरीजों का ब्योरा एकत्रित किया गया। बीमारी होने पर मरीजों के फेफड़ों में बदलाव के फीचर एआई में डाले गए। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, यूएई, मलेशिया, इटली व स्पेन के मरीजों का आंकड़ें शामिल है। रिसर्च में मरीज के आंकड़ों को संदर्भित करने के लिए तीन रेडियोलॉजिस्टों को भी शामिल किया। इसके अलावा चेस्ट फिजिशियन व मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट भी इसमें शामिल थे। डॉ. सात्विक ने बताया कि एआई टूल को इस तरह विकसित किया गया है कि वह किसी भी बीमारी में फेफड़ों में हो रहे बदलाव के पैटर्न को पहचान लेगा। इसकी मदद से 16 प्रकार के पैटर्न को पहचानने में सफलता मिली है। यह पैटर्न अलग-अलग बीमारियों के होते हैं, जिसमें फेफड़े में होने वाली निमोनिया, एडिमा, फाइब्रोसिस, डायाफ्राम की हार्निया, कोविड, कैंसर, फेफड़ों की झिल्ली में सूजन, पानी भरना व गांठ जैसी बीमारियां शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस टूल का इस्तेमाल सरल है। यह डिजिटल एक्स-रे मशीन में इंस्टॉल किया जाएगा। उसके बाद एक्स-रे होते ही मशीन पैटर्न के आधार पर फेफड़ों में बदलाव को पहचान लेगी। वह अपनी रिपोर्ट में बदले हुए पैटर्न का जिक्र करेगी। इससे डॉक्टर को भी बीमारी पहचाने व इलाज करने में आसानी होगी। एआई टूल को पेटेंट कराया जा चुका है। इसको लेकर पहला रिसर्च पेपर अब पब्लिश हुआ है।

यह रिसर्च पेपर अमेरिकन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। डॉ सात्विक ने बताया कि इस एआई टूल का इस्तेमाल ग्रामीण व दुर्गम क्षेत्र में स्थित अस्पतालों में हो सकता है। जिसमें मशीन फेफड़ों के बीमारी की पहचान कर लेगी। वहां मौजूद चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टाफ रिपोर्ट के आधार पर टेली कंसल्टेंसी कर सही परामर्श दे सकेंगे। इसे और विकसित किया जा सकता है। भविष्य में रेडियोलॉजिस्ट के परामर्श की जरुरत भी नहीं पड़ेगी।

उद्धव को सीएम बनाने की मांग पर भड़के शरद पवार बोले- कोई जरुरत नहीं

मुंबई। (एजेंसी)

बीते कई दिनों से महाराष्ट्र में सीएम के चहरे को लेकर कानाफूसी चल रही थी। इसी सुगबुगाहट के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने आगामी विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की मांग कर दी। उनका दावा था कि मुख्यमंत्री के चेहरे के बिना विधानसभा चुनाव का सामना करना खतरनाक है। कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी राज्य प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को भावी मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर रहे थे। इन सबकी उम्मीदों पर शरद पवार ने पानी फेर दिया। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के एक बयान ने शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के नेताओं की बोलती बंद कर दी है। पवार ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महा विकास आघाडी की ओर से मुख्यमंत्री का कोई चेहरा नहीं होगा, बल्कि इसे सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा।

कोल्हापुर में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने साफ किया कि आगामी विधानसभा का चुनाव सामूहिक नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।शरद पवार ने कहा कि हम साथ बैठकर विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाएंगे। लोकसभा चुनाव में वामपंथी दलों, आम आदमी पार्टी, शेतकरी कामगार पार्टी ने हमारी मदद की थी, इसलिए हम आगामी चुनावों में उन्हें भी जिताने की कोशिश करेंगे। पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में लोगों की मानसिकता स्पष्ट हो गई है। शरद पवार ने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा। लोकसभा चुनाव में 288, विधानसभा क्षेत्रों में 155 क्षेत्रों में महा विकास आघाडी आगे है। 155 सीटों पर हमारे आगे रहने का मतलब है कि बहुमत हमारे साथ है।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के लिए स्थिति अनुकूल है। हाल ही में संजय राउत ने कहा था कि विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा जरूरी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)